ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2021

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

किसान जीता सरकार हारी

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 19 अंक 8, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लि.
"जनजाति विकास भवन" प्रतापनगर, उदयपुर (राज.)
विकेन्द्रीकृत मत्स्य बीज पालन नर्सरी स्थापना के लिये प्रस्ताव आमन्त्रण सूचना

उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा एवं प्रतापगढ जिले क्षेत्र अन्तर्गत उपयोजना क्षेत्र में निवासरत स्थानीय जनजातियों से अपनी निजी भूमि पर मत्स्य बीज पालन नर्सरी कार्य के माध्यम से अतिरिक्त आय का साधन सृजित करने के लिये **"पहले आओ पहले पाओ"** के आधार पर कार्य प्रस्ताव आमन्त्रित किये जाते है। जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:–

स्थानीय जनजातियों की अपनी भूमि पर बीज पालन हेतु गर्मी में पर्याप्त पानी स्त्रोत एवं उपयुक्त किस्म की मिट्टी उपलब्ध होने की स्थिति में लगभग तीन बीघा निजी भूमि क्षेत्र में 600 घन मीटर की प्रति ईकाई से दो मत्स्य बीज पालन नर्सरी निर्माण एवं मत्स्य बीज पालन कार्य के माध्यम से आय का अतिरिक्त साधन सृजन कर सकते है।

योजना अन्तर्गत निर्धारित मात्रा में कार्य के मूल्यांकन के आधार पर ईकाई लागत का 75 प्रतिशत अनुदान राशि का स्थानान्तरण सीधे लाभान्वितों के बैंक खातों में हस्तानान्तरण योग्य रहेगी एवं प्रथम वर्ष के लिये 100 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज वितरण का प्रावधान किया जावेगा।

योजना का सम्पूर्ण लाभ संबंधित जनजाति लाभान्वित को प्राप्त होगा। लाभान्वित के द्वारा नर्सरी से प्राप्त मत्स्य बीज की बिक्री करने के लिये स्वतन्त्र रहेगा। राजससंघ द्वारा भी आवश्यकता अनुसार उक्त बीज क्रय किया जा सकता है।

स्थानीय जनजातियों द्वारा सादे कागज पर महा प्रबन्धक, राजससंघ लि0, उदयपुर के नाम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के साथ लाभान्वित का आधार कार्ड, बैंक खाते की पासबुक, भूमि की पटवारी नकल व संबंधित ग्राम पंचायत से चयनित भू–भाग पर नर्सरी निर्माण के संबंध में सहमति/अनुशंषा संलग्न करना अनिवार्य है।

विस्तृत जानकारी के लिये संपर्क करे –

मत्स्य विपणन अधिकारी, राजससंघ लि0, उदयपुर
(दूरभाष 0294–2491740)

सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, राजससंघ लि0, बांसवाडा
(दूरभाष 02962–254268)

सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, राजससंघ लि0, डूंगरपुर
(दूरभाष 02964–232290)

सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, राजससंघ लि0, प्रतापगढ़
(दूरभाष 01478–222132)

क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिसम्बर 2021 वर्ष 19, अंक 8

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डागी
कुलदीप इन्दौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

महाप्रयाण

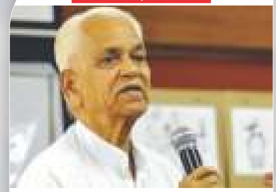

सेवापुंज सुब्बाराव को अंतिम प्रणाम
12

आस-पड़ौस

ड्रैगन का 'लैंड बॉर्डर लॉ'
16

क्रिसमस

यीशु : नया नजरिया और नई जीवन शैली
20

दो टूक

केन्द्र की दुहाई और दलीलों को सुप्रीम कोर्ट का झटका
30

सुरक्षा

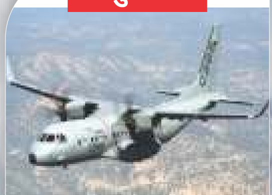

सी-295 से बदलेगी वायुसेना की तस्वीर
36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

A-ONE SR. SECONDARY SCHOOL

University Road, North Ayad, Udaipur

(ENGLISH MEDIUM) NURSERY TO XII (Commerce & Science)

Dr. M.L. Changwal
Director

INTRODUCTION

This school is situated in the heart of the city at Ayad on University Road, Udaipur . This Educational institution is run by 'Kanhaiya Sewa Sansthan' established in the year 1998 aiming at all round development of children and is now one of the shining star in the galaxy

VISION

We have a vision for our scholars & each student must

- Be capable of choosing the right from wrong.
- Build up self – discipline , self confidence and a liking for toil
- Empowering student to achieve success

ADMISSION OPEN

OUR SPECIALITIES

- Limited student in each class
- Teaching through smart classes.
- Medical check up twice in a year
- Aqua Guard filtered cool drinking water facility.
- Well equipped physics , chemistry , biology and computer laboratory
- Spacious library and reading room where student take full advantage of print media & add to their store of knowledge
- Well equipped indoor and outdoor game facility.

- Whole school campus , classroom are under C.C.T.V. surveillance and supervision by management.
- Extra Co – Curricular activities are conducted where all latent talent are drawn out.
- Motivational seminars are conduted by experts and educationist , time to time for the proper growth of student.
- Experienced and devoted teachers.
- Cent Percent board exam result of class X and XII

Contact :- 0294-2413294 Mobile No. 98280-59294
Email id : mlchangwal@gmail.com

उपचुनाव नतीजों से भाजपा में ठंड

30 अक्टूबर को 13 राज्यों में 29 विधानसभा सीटों व एक केन्द्र शासित क्षेत्र (दादरा नगर हवेली) सहित तीन लोकसभा सीटों के उपचुनावों के परिणामों ने केन्द्र और राज्य सरकारों को मिला-जुला संदेश दिया है। केन्द्र में भाजपा सत्तारूढ़ है तो राज्यों में भाजपा, कांग्रेस अथवा मिली-जुली सरकारें हैं। जिनमें कहीं कांग्रेस अनुपस्थित है तो कहीं भाजपा।

भाजपा को हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र में तगड़ा झटका लगा है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा को तीनों विधानसभा सीटों व एक लोकसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा और सभी सीटें कांग्रेस के खाते में गई। 29 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 7 सीटें हाथ लगी और कांग्रेस को 8 सीटों पर सफलता मिली। शेष स्थानों पर क्षेत्रीय सत्तारूढ दलों ने बाजी मारी। उपचुनावों के नतीजे बताते हैं कि दोनों राष्ट्रीय दलों भाजपा व कांग्रेस की ताकत में कमी हुई है। हिमाचल प्रदेश में तो भाजपा शासित सरकार के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने स्वीकार भी किया है कि हमारी हार महंगाई व ईंधन की बढ़ी कीमतों के कारण हुई है। भाजपा आलाकमान को इस सच को स्वीकार करते हुए पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने पर मजबूर भी होना पड़ा। केन्द्र के साथ राजस्थान सहित 23 राज्यों ने भी पेट्रोल-डीजल के वेट शुल्क में कटौती की है और इनमें वे पांच राज्य भी शामिल हैं, जहां अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। हिमाचल भी उन्हीं में है। भाजपा को अगले साल के चुनावों के मद्देनजर ही गुजरात, उत्तराखण्ड व कर्नाटक में मुख्यमंत्रियों को बदलना पड़ा, लेकिन हिमाचल प्रदेश के बारे में भाजपा आलाकमान कोई उचित फैसला करने में असमर्थ ही रहा है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पकड़ मजबूत रही। यहां दोनों ही सीटें वल्लभनगर व धरियावद कांग्रेस ने जीती ही नहीं बल्कि भाजपा से एक सीट (धरियावद) छीनी भी। वल्लभनगर में भाजपा की जमानत जब्त हुई तो धरियावद में उसे तीसरे नम्बर पर खिसकना पड़ा। प्रदेश भाजपा नेतृत्व व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बीच तालमेल का अभाव यहां भाजपा को भारी पड़ा है। यही वजह है आलाकमान को वसुंधरा राजे को मेवाड़ संभालने के लिए नवम्बर के तीसरे सप्ताह में देव-दर्शन के बहाने भेजना पड़ा। उन्होंने तीन दिन इस अंचल में बिताए।

भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र से भी अच्छी खबर नहीं आई और न ही वह कर्नाटक के परिणाम से बहुत संतोष कर सकती है, जहां कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के गृह जिले की सीट भाजपा से छीन ली है। भाजपा के लिए सुखद खबरें असम और मध्यप्रदेश से हैं, जहां उसका जलवा बरकरार है। असम में बिखरे हुए विपक्ष ने भाजपा का काम आसान कर दिया और उसके नेतृत्व में सत्तारूढ गठबंधन ने वहां एकतरफा जीत हासिल की है, तो मध्यप्रदेश में भी उसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। हालांकि लोकसभा की तीन सीटों में से दो पर कांग्रेस और उसकी सहयोगी शिवसेना की जीत से विपक्ष का हौसला बढ़ेगा।

अमूमन उपचुनावों में राज्यों में सत्तारूढ पार्टियों का दबदबा होता है और इस चुनाव में भी हिमाचल और कर्नाटक को छोड़ दें, तो आम तौर पर यही रूख दिखा है, मगर बिहार की दो सीटों को जिस तरह से राजद ने अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया था, उनके परिणामों में तेजस्वी यादव के लिए गहरे संदेश हैं। उन्होंने लालू यादव तक को इन सीटों के चुनाव प्रचार के लिए उतार दिया था, लेकिन वह अपने गठबंधन को एकजुट नहीं रख पाए। अब चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि कांग्रेस के भी चुनाव लड़ने और दोनों दलों के नेताओं की आपसी तू तू-मैं मैं को मतदाताओं ने सहजता से नहीं लिया है। बिहार में एक तरफ सत्तारूढ गठनबंधन मजबूती से साथ था, तो दूसरी तरफ राजग में फूट थी। उपचुनावों के परिणाम जहां कांग्रेस को बता रहे हैं कि मध्यप्रदेश क्यों उसके लिए मुश्किल है, तो भाजपा को महंगाई, किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेने के लिए आगाह भी कर रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा कर किसानों में फिर से जगह बनाने की कोशिश की है। अगले वर्ष की तिमाही में पांच राज्यों के होने वाले चुनावों के लिए रणभेरी बज चुकी है। सभी दल घर-घर मुफ्त सुविधाओं की रेवड़ी बांटने की घोषणा में व्यस्त है। उत्तरप्रदेश के चुनाव भाजपा के लिए तो पंजाब के चुनाव कांग्रेस के भाग्य और भविष्य का फैसला करने वाले होंगे।

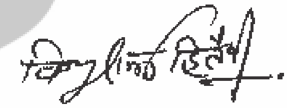

कृषि कानूनों की वापसी

एमएसपी पर दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं

गारंटी कानून बनाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं

सद्भावना से खोले मध्य मार्ग

दुर्गेश मेनारिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 19 नवम्बर को आकस्मिक रूप से तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा के बावजूद किसान संतुष्ट नहीं हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी की बैठक में तय किया गया कि जायज मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन के सूत्रधार राकेश टिकेत का कहना है कि 'आंदोलनरत किसानों को उस दिन का इंतजार रहेगा, जब कृषि कानूनों को संसद में रद्द किया जाएगा। कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर अभी किसानों को सरकार के जवाब की अपेक्षा है।'

किसानों की सबसे बड़ी मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी जामा पहनाने की हे। इस पर वे टस से मस नहीं होने वाले। प्रधानमंत्री ने जिस स्पष्टता और क्षमा याचना के साथ तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में की, उतनी स्पष्टता के साथ एमएसपी के मुद्दे पर कानून बनाने को लेकर न कोई वादा किया और न ही संकेत। एमएसपी को प्रभावी बनाने की ओर इशारा जरूर कर दिया और इसके लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी के गठन का एलान किया। देश का अन्नदाता हल, कुदाल, बैल लेकर खेतों की बजाय राजमार्गों पर अपनी समस्याओं के हल के लिए मौसम और सरकारी मशीनरी की मार सहता भी धरने पर महीनों तक बैठा रहे। इससे अधिक शर्म की ओर कोई बात नहीं हो सकती। देश की जीडीपी में 16-18 प्रतिशत तक का योगदान देने वाले किसानों की संख्या 2014-15 की रिपोर्ट के अनुसार देश की जनसंख्या का 67.8 प्रतिशत है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि इस देश का एक बड़ा वर्ग आज भी खेत-खलिहानों पर निर्भर है और इसके हित को किसी भी तरीके से नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। वैसे भी भारत प्राचीनकाल से ही कृषि प्रधान देश रहा है। किंतु खाद्यान्न पैदा करने वाला यह वर्ग आज भी गरीबी और शोषण का शिकार है। यह स्थिति एक कृषि प्रधान लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए भी कम शर्मनाक नहीं है।

आरबीआई के 2018 के एक सर्वे के अनुसार 50 प्रतिशत से ज्यादा किसानों ने न्यूनतम फसल मूल्य (एमएसपी) को अपने हित में बताया था, फिर भी सरकार ने नए बिलों में इसे क्यों शामिल नहीं किया, यह समझ से परे है। एमएसपी को लेकर कोई ऐसा फैसला तो लेना ही होगा, जिससे किसान संतुष्ट हों सकें। एमएसपी को लेकर अब तक जो दलीलें दी

जाती रही हैं, उनमें से एक यह भी है कि देश खाद्यान्न संकट से बहुत पहले ही उबर चुका है। ऐसे में अगर एमएसपी पर कानून बनाया दिया गया तो सरकार के लिए उपजा खरीदना और भंडारण करना टेढ़ी खीर होगी। वैसे भी भंडारण व्यवस्था के अभाव में भारी मात्रा में अनाज सड़ने की समस्या बनी हुई है। पिछले ही माह मावठ की बारिश के दौरान मंडियों में खुले में रखी गई हजारों किसानों की भारी मात्रा में मक्का एवं अन्य उपज गल-सड़ गई। कहा यह भी

जाता है कि यदि एमएसपी पर कानून बन गया तो बड़े किसान ही छोटे किसानों से औने-पौने दाम में उपज लेकर सरकार को बेचकर छोटे किसानों के हिस्से आने वाली कमाई अपनी जेबों में ठूंस लेंगे। दरअसल छोटे किसान ही आज ज्यादा दुखी हैं, उनके हितों को देखना भी सरकार का काम है। इसलिए कोई ऐसा कानून बनाना अथवा व्यवस्था को विकसित करना होगा, जिसे छोटे किसानों का शोषण न हो और उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाया जा सके। ऐसे में किसान संगठनों की यह मांग मान लेने से सरकार को परहेज नहीं करना चाहिए कि एमएसपी को लेकर गठित होने वाली समिति में उनकी भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। एमएसपी पर गारंटी कानून बनाने की उनकी जिद को व्यावहारिक भी नहीं कहा जा सकता। अतएव कोई मध्य मार्ग ही निकालना होगा। कोई भी सरकार हो, वह न तो किसानों की पूरी उपज खरीद सकती है और न ही एमएसपी पर गारंटी कानून बनाकर निजी व्यापारियों को इसके लिए विवश कर सकती है कि वे निर्धारित दाम पर ही उपज की खरीद करें। किसान नेताओं को व्यावहारिक रूख अपनाना होगा। उनके आंदोलन से न केवल सैकड़ों किसान जान गंवा चुके हैं, बल्कि देश में अव्यवस्था और अराजकता का माहौल भी बना है। सरकार और किसानों को अपनी-अपनी जिद छोड़कर किसानों और राष्ट्र के हितों की चिंता करते हुए पूरे सद्भाव के साथ समस्या का समाधान खोजना होगा। जिसकी शुरूआत प्रधानमंत्री ने क्षमा याचना के साथ कर दी है। अब बारी किसान नेताओं की हैं।

Rama Krishna
TEXTILES

DEALS IN:
Manufacture & Exporters of
All Kinds of Silk, Linen,
Cotton & Brocades,
Kashmiri Shawls,
Soft Furnishing &
Hand Embroidery Bead &
Jari Works to Measure Clothings

Babu Lal Soni
94141 63573
Opp. Sehelion Ki Badi, 8, New Fatehpura, Above Silver Art Palace, Udaipur
Phone +91-294-2419662, +91-294-2413964, ramakrishnatextiles@gmail.com
Raju Bhai
99833 43575

उपचुनाव में भाजपा को धक्का : राजस्थान में कांग्रेस को दोहरी खुशी

हिमाचल में बदलाव की आहट

सनत जोशी

कोरोना महामारी, महंगाई, पेट्रो-डीजल के रोजाना बढ़ते दाम, किसान आंदोलन जैसे मुद्दों के बीच 13 राज्यों व केन्द्र शासित क्षेत्र दादरा नगर हवेली में विधानसभा की 29 और लोकसभा की 3 सीटों पर अक्टूबर के अंत में संपन्न उपचुनावों में भाजपा-कांग्रेस के कान खड़े कर दिए हैं, हालांकि चुनाव परिणाम की तिलमिलाहट भाजपा को सबसे ज्यादा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जो पं. बंगाल चुनाव में भाजपा की सरकार बनने का दावा ठोकते थक नहीं रहे थे, उनके अपने गृह राज्य हिमाचल में जनता ने तीन विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर सत्ताधारी भाजपा को करारा झटका देते हुए बदलाव के संकेत दे दिए हैं। जबकि राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश व पं. बंगाल समेत अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के उपचुनावों में भी भाजपा को धक्का लगा है। यहां उल्लेखनीय है कि 2022 के शुरूआत में पांच राज्यों और अंत में हिमाचल व गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले हुए उपचुनाव के नतीजों से कांग्रेस में उत्साह का माहौल है। खासतौर पर हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के उपचुनाव नतीजों को कांग्रेस संजीवनी मान रही है।

वल्लभनगर : प्रीति शक्तावत ने आरएलपी के उदयलाल को हराया

प्रीति शक्तावत	
कांग्रेस	65,713
उदयलाल डांगी	
आरएलपी	45,107
रणधीरसिंह भींडर	
जनता सेना	43,817
हिम्मतसिंह झाला	
भाजपा	21,443

धरियावद : नगराज मीणा ने निर्दलीय थावरचंद के खिलाफ की जीत दर्ज

नगराज मीणा	
कांग्रेस	69,819
थावरचंद डामोर	
निर्दलीय	51,094
खेतसिंह मीणा	
भाजपा	46,487

राजस्थान में जीत के सारथी

गोविंदसिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष
प्रतापसिंह खाचरियावास, प्रभारी मंत्री, उदयपुर
अर्जुन बामनिया, प्रभारी मंत्री प्रतापगढ़
खानमंत्री प्रमोद जैन भाया, पूर्व केन्द्रीय डॉ. गिरिजा व्यास, सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, खेलमंत्री अशोक चांदना, बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया ने भी जीत में भूमिका निभाई।

राजस्थान : दोहरी खुशी

दीपावली से ठीक पहले विधानसभा उपचुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए दोहरी खुशी लेकर आए, तो भाजपा को हताशा ने घेर लिया। वल्लभनगर सीट पर भाजपा प्रत्याशी हिम्मतसिंह झाला की जमानत जब्त हो गई। वे चौथे नंबर पर रहे। उन्हें 12 फीसदी से भी कम वोट मिले। वहीं, सत्तारूढ दल के दिवंगत विधायक गजेन्द्रसिंह शक्तावत की पत्नी व कांग्रेस प्रत्याशी प्रीति शक्तावत विजयी रही। प्रीति ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आरएलपी के उदयलाल डांगी को 20,606 मतों से पराजित किया। उधर, धरियावद में भाजपा ने अपनी सीट खो दी। धरियावद में भाजपा प्रत्याशी खेतसिंह मीणा तीसरे नम्बर पर रहे। कांग्रेस के नगराज मीणा ने जीत दर्ज की। नगराज मीणा ने निर्दलीय थावरचंद डामोर को 18,725 वोटों से हराया।

पहली महिला विधायक

वल्लभनगर से प्रीति पहली महिला विधायक हैं। वे राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। उनके दादा जोरावरसिंह झाला राजस्थान के मुख्य सचिव रह चुके हैं।

लगातार जीतः राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि सत्ताधारी पार्टी उपचुनावों में लगातार जीत रही है और इसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रति जनता का विश्वास ही कहा जा सकता है। इनके कार्यकाल में हुए 8 उपचुनावों में से 6 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की।

हरियाणा : अभय चौटाला जीते

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के नेता अभयसिंह चौटाला ने भाजपा के गोविंद कांडा को हरियाणा के ऐलनाबाद निर्वाचन क्षेत्र उपचुनाव में 6,739 मतों से पराजित किया। कांग्रेस के उम्मीदवार पवन बेनीवाल तीसरे स्थान पर रहे और उनकी जमानत जब्त हो गई। भाजपा-जजपा की ओर से संयुक्त उम्मीदवार कांडा ने चौटाला को चुनाव में कड़ी टक्कर दी। अभय चौटाला ने भाजपा के गोविंद कांडा को 6,739 मतों से पराजित किया।

बंगालः चारों सीटों पर तृणमूल जीती

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वियों को रिकार्ड अंतर से हराते हुए 4-0 से उनका सूपड़ा साफ कर दिया। तृणमूल ने कूच बिहार और नदिया जिलों में क्रमशः दिहाटा सिटी और शांतिपुर सीट पर भाजपा से भारी अंतर से जीत हासिल की है। अब विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या घटकर 77 से 75 हो गई है। सत्तारूढ़ तृणमूल ने उत्तरी 23 परगना और दक्षिणी 24 परगना जिलों में खारडाह और गोसाबा विधानसभा सीटों को भी प्रभावशाली अंतर से बरकरार रखा।

मध्यप्रदेशः भाजपा की खंडवा सीट कायम

मध्यप्रदेश की खंडवा लोकसभा सीट के उपचनुाव में भाजपा के उम्मीदवार ज्ञानेश्वर पाटिल विजयी रहे हैं और पार्टी ने यह सीट बकरार रखी है। पाटिल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के उम्मीदवार राजनारायणसिंह पूर्णी को 82,140 मतों के अंतर से हराया। पाटिल को 6,32,455 मत मिलें, जबकि पूर्णी ने 5,50,315 मत हासिल किए। हालांकि वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार नंदकुमार सिंह चौहान इस सीट से 2,73,343 मतों से विजयी हुए थे।

ये रहे नतीजे

लोकसभा

हिमाचल प्रदेश (मंडी)
प्रतिभा सिंह कांग्रेस

मध्यप्रदेश (खंडवा)
ज्ञानेश्वर पाटिल भाजपा

दादरा नगर हवेली
कलाबेन केलकर शिवसेना

विधानसभा

हिमाचल	3 सीट	कांग्रेस
मध्यप्रदेश	3 सीट	2 भाजपा, 1 कांग्रेस
हरियाणा	1 सीट	इनेलो
महाराष्ट्र	1 सीट	कांग्रेस
कर्नाटक	2 सीट	1 भाजपा, 1 कांग्रेस
आंध्रप्रदेश	1 सीट	वाईएसआर कांग्रेस
तेलंगाना	1 सीट	भाजपा
राजस्थान	2 सीट	कांग्रेस
पं. बंगाल	4 सीट	तृणमूल कांग्रेस
मिजोरम	1 सीट	एमएनएफ
बिहार	2 सीट	जेडीयू
मेघालय	3 सीट	3 एनपीपी, 1 यूडीपी
असम	5 सीट	भाजपा+यूपीपी

बिहारः दोनों सीट जद (एकी) की झोली में

बिहार में जद (एकी) ने दोनों विधानसभा सीटों- कुशेश्वर स्थान और तारापुर पर अपना कब्जा बरकरार रखा। तारापुर में जद (एकी) उम्मीदवार राजीव कुमारसिंह ने राजद के अरुणकुमार साह को करीब 4,000 मतों से हराया। इससे पहले सत्तारूढ़ जद (एकी) ने कुशेश्वर स्थान सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा और उसने राष्ट्रीय जनता दल को 12,000 से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया।

महाराष्ट्रः देगलूर सीट पर कांग्रेस

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की देगूर (सुरक्षित) सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार जितेश रावसाहेब अंतापुरकर की जीत के साथ ही पार्टी का इस सीट पर कब्जा बरकरार रहा। निर्वाचन आयोग के अनुसार अंतापुरकर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुभाष पिराजी राव सब्रे को 41,917 मतों के अंतर से हराया। अंतापुरकर को कुल 1,08,840 जबकि शिवसेना के पूर्व नेता सब्रे को 66,907 मत मिले।

हिमाचलः गहरा घाव

प्रदेश में तीन विधानसभा हलकों, अका, जुब्बल-कोटखाई व फतेहपुर और मंडी संसदीय हलके के उपचुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया है और चारों सीटें विपक्षी दल कांग्रेस की झोली में चली गई है। भाजपा की जबरदस्त हार मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के लिए बहुत बड़ा झटका है। मंडी संसदीय हलके से पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्रसिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह चुनाव जीत गई हैं। कांटे के मुकाबले में उन्होंने भाजपा के ब्रिगेडियर खुशाल को हराया।

शिवसेना में उत्साह

महाराष्ट्र से बाहर पहली बार कोई लोकसभा सीट जीतकर शिवसेना बेहद उत्साह में है। पार्टी ने संघशासित क्षेत्र दादरा नागर हवेली की लोकसभा सीट पर सफलता हासिल की है। उसकी उम्मीदवार कलाबेन डेलकर ने भाजपा के उम्मीदवार महेश गमित को 51,269 वोट से शिकस्त दे दी। आम चुनाव में इस सीट पर निर्दलीय मोहन डेलकर जीते थे। मोहन डेलकर अनुसूचित जनजाति के लिए आरिक्षत इस सीट पर सात बार लोकसभा चुनाव जीते थे। उनकी मौत के कारण यहां उपचुनाव हुआ।

प्रत्यूष
प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992
94140 77697

विश्व विकलांगता दिवस 3 दिसम्बर पर विशेष

कौशल विकास से होंगे दिव्यांगों के सपने साकार

प्रशांत अग्रवाल

दिव्यांग लोगों को अनुभूत मुश्किलों से बाहर निकालने में उन्नत तकनीक और शिक्षा एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। प्रौद्योगिकी के अलावा, कौशल विकास के तहत इन्हें उचित शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। भारत की 130 करोड़ की आबादी में करीब 8 करोड़ लोग दिव्यांग श्रेणी में हैं, जिनमें से 70 फीसदी तो ग्रामीण क्षेत्रों में आवासित हैं। इन्हें मुख्यधारा से जोड़कर इनकी प्रतिभा का राष्ट्र निर्माण में उपयोग किया जाना समय की मांग है।

दिव्यांग बहुत कुछ नया करना चाहते हैं या करने का सपना देखते हैं। हालांकि उचित सुविधाओं और सही मार्गदर्शन की कमी के कारण वे अपने इन सपनों को पूरा नहीं कर पाते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में ज्यादातर दिव्यांग 10-19 वर्ष के आयु वर्ग में हैं। ये ऐसे लोग हैं, जो आत्मनिर्भर होना चाहते हैं, एक अच्छी नौकरी या रोजगार के साथ एक बेहतर घर और एक ऐसा सामान्य जीवन जीना चाहते हैं, जहां वे भी जब चाहें, लोगों के साथ घूम-फिर सकें।

अन्य बच्चों की तुलना में दिव्यांग बच्चों के स्कूल छोड़ने की आशंका पांच गुना अधिक होती है। भारत में दिव्यांगों की कुल आबादी में से केवल 36 फीसदी खेतिहर मजदूर हैं। इस वजह से दिव्यांग लोगों को अक्सर बेरोजगारी का सामना करना और दूसरों पर निर्भर जिंदगी जीने पर मजबूर होना पड़ता है।

दिव्यांग लोगों को इन मुश्किलों से बाहर निकालने में मदद करने के लिए उन्नत तकनीक और शिक्षा एक बड़ी भूमिका निभा सकती है। तकनीक असंभव को संभव में बदलने में मदद कर सकती है और ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं, जैसे स्टीफन हॉकिंग को ही याद कर लें। प्रौद्योगिकी के अलावा, कौशल से दिव्यांग लोगों को उचित प्रशिक्षण, शिक्षा और अच्छी नौकरी पाने में मदद मिल सकती है। कौशल आधारित पाठ्यक्रम लोगों को उपकरण और मशीनरी के साथ काम करने का प्रशिक्षण देते हैं और उन्हें हाथ का हुनर सिखाते हैं। कुछ ऐसे कौशल पाठ्यक्रम भी हैं, जो दिव्यांगों को कॅरिअर बनाने में मदद कर सकते हैं।

नेत्रहीनों के लिए मार्ग निर्देशक

दृष्टिबाधित लोगों को अक्सर बाहर की दुनिया में अकेले चलना मुश्किल होता है क्योंकि उन्हें कहां मुड़ना या चलना चाहिए, या फिर उनके लिए अपने सटीक स्थान को तलाशना और वहां तक पहुंचना वाकई एक दुष्कर कार्य होता है। विशेष रूप से दृष्टिबाधित लोगों के लिए डिजाइन किया गया एक मार्ग निर्देशिक जीपीएस के माध्यम से उनकी मंजिल की निगरानी करता हैं ताकि उन्हें पता चल सके कि वे वास्तव में कहां हैं। साथ ही एक आवाज निर्देशिका उन्हें अपने गंतव्य तक अपना रास्ता नेविगेट करने में मदद करता है।

सिलाई

दिव्यांगजन सिलाई का काम बड़ी आसानी से सीख सकते हैं। वे सिलाई मशीन और अलग-अलग तरह की सिलाई के साथ काम करना सीखते हैं, विभिन्न शैलियों में कपड़े काटते है। दिव्यांगों को सिखाया जाता है कि ग्राहकों के साथ कैसे व्यवहार किया जाए और पेशेवर सेटिंग में कैसे काम किया जाए। अनेक संस्थान और गैर सरकारी संगठन हैं जो प्रमाण पत्र के साथ नि:शुल्क पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

होटल प्रबंधन

भोजन और खाना पकाने में दिलचस्पी रखने वाले दिव्यांग इस पाठ्यक्रम को कर सकते हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों में विभिन्न व्यंजनों और उनमें प्रयुक्त होने वाली सामग्री और भोजन प्रस्तुत करने के तरीकों के बारे में सिखाया जाता है। ऐसे पाठ्यक्रमों में दिव्यांग लोगों को दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के भोजन, व्यंजन बनाने के तरीके और भोजन तैयार

करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानने का अवसर मिलता है।

उद्यमिता

उद्यमिता का अध्ययन करने के लिए किसी भी क्षेत्र का चयन किया जा सकता है। यह पाठ्यक्रम उन्हें यह बताएगा कि उद्यमिता क्या है, एक अच्छा उद्यमी बनने के लिए क्या आवश्यक है और अपने चुने हुए क्षेत्र में कैसे सफल होना है। दिव्यांग यह भी सीख सकते हैं कि उन्होंने जिस क्षेत्र को चुना है वह कैसे काम करता है, उनके व्यवसाय के लिए किस तरह का स्थान उपयुक्त है, उन्हें किस तरह के लोगों को काम पर रखना चाहिए और कैसे क्लाइंट सर्विसिंग करनी चाहिए।

बढ़ईगिरी

दिव्यांग इस काम में आवश्यक उपकरण और बड़ी मशीनरी के साथ काम करना सीखेंगे। वे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं और वे चाहें तो असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कम वेतन वाले बढ़ई की बजाय एक पेशेवर बढ़ई के रूप में किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं।

तकनीक से सुगम होगी राह

टेक व्हीलचेयर

आजकल व्हीलचेयर में तमाम तरह की तकनीक मिल जाएगी। अनुवादक से लेकर आंखों के इशारों के सहारे सीढ़ियां चढ़ने तक, व्हीलचेयर के माध्यम से तमाम जरूरी काम किए जा सकते हैं। व्हीलचेयर की मदद से विकलांगों का जीवन पूरी तरह से बदल सकता है।

('जनसत्ता' से साभार)

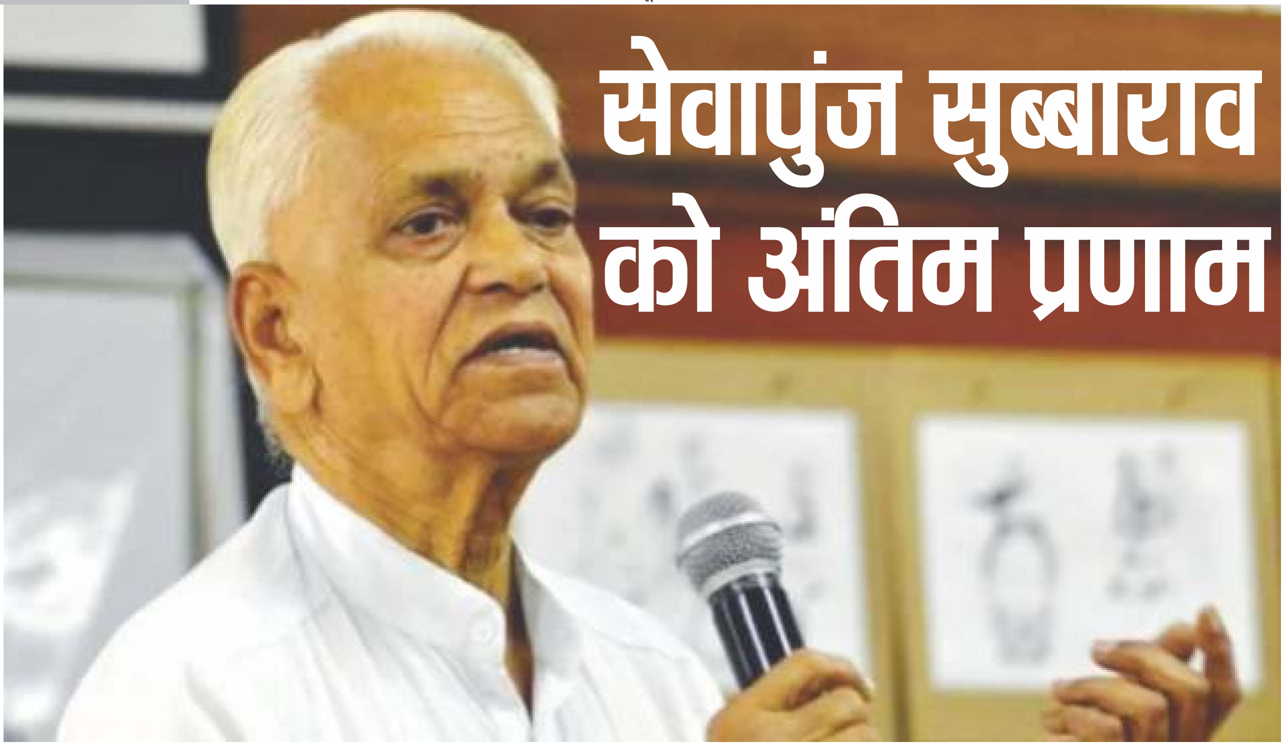

सेवापुंज सुब्बाराव को अंतिम प्रणाम

पंकज कुमार शर्मा

प्रख्यात गांधीवादी नेता और चंबल की धरती को डकैतों के आतंक से मुक्ति दिलाने वाले पद्मश्री डॉ. एस.एन. सुब्बराव के निधन से देश ने विविध क्षेत्रों का सेवापुंज खो दिया है। उन्होंने गांधी सेवा संघ की स्थापना कर हजारों लोगों को रोजगार दिया था। राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक सदस्य सुब्बाराव ने नेशनल यूथ प्रोजेक्ट की भी स्थापना की थी। डकैतों को आत्मसमर्पण करवा कर उन्होंने उनके जीवन को नई रोशनी से भरने का महत्वपूर्ण काम किया।

वरिष्ठ गांधीवादी नेता डॉ. एस.एन. सुब्बाराव (92) का 27 अक्टूबर की सुबह जयपुर में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे। मृत्यु से एक दिन पूर्व हार्ट अटैक आने के बाद उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी। उनका जन्म 7 फरवरी, 1929 को बेंगलुरू में हुआ था। तेरह वर्ष की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ गए थे। उनका अंतिम संस्कार मध्यप्रदेश के मुरैना के पास जौरा आश्रम में पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ हुआ।

सुब्बारावजी आजादी के सिपाही थे लेकिन वे उनमें नहीं थे जिनकी लड़ाई 15 अगस्त 1947 को पूरी हो गई। वे आजादी के उन सिपाहियों में थे जिनके लिए आजादी का मतलब लगातार बदलता रहा और उसका फलक लगातार विस्तीर्ण होता गया। कभी अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति की लड़ाई थी तो कभी अंग्रेजियत की मानसिक गुलामी से मुक्ति की। फिर नया मानवीय व न्यायपूर्ण समाज बनाने की रचनात्मक लड़ाई विनोबा-जयप्रकाश ने छेड़ी तो वहां भी वे हाजिर मिले। वे 18 भाषाओं के जानकार थे। डॉ. सुब्बाराव की पहचान हाफपेंट और खादी की शर्ट थी। डॉ. सुब्बाराव विश्वभर में गांधीवादी विचारधारा का प्रचार करते थे और यही वजह है कि जब भी वह देश के बाहर जाते थे तब भी हाफपेंट और खादी की शर्ट पहनते थे। लोग उन्हें भाईजी के नाम से जानते थे। उन्होंने अपने जीवन में गांधी की विचारधारा के अलावा किसी को महत्व नहीं दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन के सहभागी भी रहे और कई बार जेल भी गए।

12 वर्ष की उम्र से ही था साथ

भाईजी ने देश–दुनिया में युवाओं को प्रेरित करने में जीवन समर्पित किया। मेरा उनसे 60 साल का रिश्ता रहा। जब 10–12 साल का था, तब वे जोधपुर आए थे। मैं कार्यकर्ता बनकर उनसे जुड़ा। अभी बैंगलुरू में जब वे बीमार हुए, तब मिलने गया। मैंने कहा आपको लेने आया हूं। इससे पहले भी मैं 5–6 बार मिला। पर अभी पिछले 7–8 दिन में जब मैं मिला तो वैसा मिलना नही हुआ। वे वेंटिलेटर पर थे। मैंने उनके कई शिविर अटैंड किए। सत्य, अहिंसा भाव से भरे उनके गाए–लिखे गीत सुनकर कोई भी गांधीवाद से प्रेरित हुए बिना नहीं रह सकता।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री राजस्थान

पुरस्कार और सम्मान

पद्मश्री, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार, भारतीय एकता पुरस्कार, महात्मा गांधी पुरस्कार, राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार, जमनालाल बजाज पुरस्कार, अणुव्रत अहिंसा पुरस्कार, कर्नाटक सरकार की ओर से महात्मा गांधी प्रेरणा सेवा पुरस्कार, नागपुर में राष्ट्रीय सद्भावना एकता पुरस्कार।

जौरा में सबसे लंबा शिविर

1954 में जब सुब्बाराव चंबल के इलाकों से गुजरे तो उन्हें स्थानीय युवाओं के लिए रचनात्मक शैक्षिक मॉडयूल के महत्व का एहसास हुआ। सुब्बाराव ने 1964 में चंबल घाटी के एक कस्बे जौरा में देश के सभी हिस्सों के युवक और युवतियों की भागीदारी से रिकॉर्ड 10 महीने के लंबे शिविर का आयोजन किया। इसके बाद 1970 में पूरे देश की सेवा करने की सोची।

माधौ–मलखान को रास्ते पर लाए

चंबल के बीहड़ों में खौफ का पर्याय रहे माधौसिंह, मलखानसिंह और मोहरसिंह जैसे डकैतों को सुब्बाराव ने सरेंडर के लिए तैयार किया था। दस्यु सरदार माधौसिंह की गैंग में 400 से ज्यादा डाकू थे, लेकिन पुलिस उन तक पहुंच नहीं पाती थी। सुब्बाराव अकेले उसके पास पहुंचे। सरेंडर के लिए नहीं माना तो उसके परिवार को साथ लेकर गए। मोहरसिंह व मलखानसिंह जैसे डाकूओं को सरेंडर करने के लिए भी उन्होंने यही तरीका अपनाया।

डकैतों का करवाया सरेंडर

डॉ. एस.एन. सुब्बाराव का पूरा जीवन समाज सेवा को समर्पित रहा है। उन्होंने 14 अप्रेल 1972 को गांधी सेवा आश्रम जौरा में 654 डकैतों को समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण एवं उनकी पत्नी प्रभादेवी के सामने सामूहिक आत्मसमर्पण कराया था। इनमें से 450 डकैतों ने जौरा के आश्रम में, जबकि 100 डकैतों ने राजस्थान के धौलपुर में गांधीजी की तस्वीर के सामने हथियार डालकर समर्पण किया। 1970 के दशक में सुब्बाराव ने चंबल क्षेत्र को अपना कार्यक्षेत्र बनाया, तब यहां डकैतों का बोलबाला था। उन्होंने डकैतों को हिंसा छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने को कहा, लेकिन वे तैयार नहीं हुए। सुब्बाराव डाकुओं के परिवार वालों को लेकर उनके पास गए। उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से नई जिंदगी शुरू करने के लिए उन्हें सहूलियतें दी जाएंगी। वे राजी हुए तो उन्होंने सरकार से इस बारे में बात की।

खुली जेल की स्थापना

सुब्बाराव के प्रयासों से डकैतों के लिए खुली जेल स्थापित की गई। डकैतों के ऊपर लगे सभी केस वापस लिए गए। उनके परिवार के सदस्यों को पुलिस में नौकरी दिलवाई। सरकार की ओर से डकैतों के परिवारों को जमीन दी गई। इसके बाद जौरा के पास पगारा गांव में 70 डाकूओं ने एक साथ आत्मसमर्पण किया था। इस मौके पर आचार्य विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण व एमपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाशचन्द्र सेठी मौजूद थे। सुब्बाराव के प्रयासों से चंबल क्षेत्र के कुल 672 डाकूओं ने आत्मसमर्पण किया था।

प्रत्यूष
प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

सर्दियां अपने साथ खुशनुमा मौसम लेकर आती हैं, लेकिन इसके साथ कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी आती हैं। इनसे बचे रहने के लिए कुछ सावधानी बरतना भी जरूरी हो जाता है।

न लग जाए सर्दी की नज़र

नीलम शुक्ला

सर्दियां जितनी खुशनुमा होती हैं, उतनी ही इस मौसम में सावधानी जरूरी हो जाती है। सर्दियां आते ही जुकाम, खांसी और बुखार के अलावा अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की तादाद भी बढ़ने लगती है। जहां एक ओर सर्दी-जुकाम और वायरल इस मौसम की आम समस्या होती है, वहीं हाई ब्लड प्रेशर, अस्थमा, जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं भी शरीर को तोड़कर रख देती हैं।

खांसी, जुकाम और सिरदर्द

सर्दियों के मौसम में अक्सर लोगों को खांसी, जुकाम और सिरदर्द की समस्या रहती है। ऐसे में कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम खाने से खांसी और बढ़ सकती है। कई बार सर्दियों में सिरदर्द की भी शिकायत होने लगती है। इसका कारण सिर में ठंड लगना भी हो सकता है।

समाधानः ठंड में बाहर जाते समय सिर और गले को हमेशा ढंक कर रखें। गले की खराश दूर करने के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें। सिर को स्कॉर्फ या टोपी से ढंक कर रखें।

जोड़ों में दर्द

जिन लोगों को गठिया आदि की समस्या होती है, उनके लिए सर्दी का मौसम बेहद कष्टकारी होता है, क्योंकि इस दौरान जोड़ों में सूजन और नसों में सिकुड़न आती है।

समाधानः ठंड में नियमित व्यायाम करना चाहिए। नियमित व्यायाम से आर्थ्राइटिस की आशंका नहीं रहती है। इस मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों का नियमित रूप से सेवन करें।

दिल का ख्याल

ठंड के कारण कोशिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल तक रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो पाती। सर्दियों में हमारे शरीर में विभिन्न पकवानों के माध्यम से शर्करा और नमक ज्यादा पहुंचता है, जिससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ जाता है। इस कारण ठंड में बाहर जाते ही धमनियां सिकुड़ने लगती है, जो कई बार दिल के दौरे का कारणबनता है। गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों में हार्ट अटैक की आशंका 53 फीसदी ज्यादा होती है।

समाधानः ज्यादा ठंड में सुबह की सैर करने से बचे। अगर बाहर निकल रहे हैं तो गर्म कपड़े पहनकर निकलें। अधिक वसा वाली चीजें न खाएं। दिल के मरीज ठंड में सिगरेट, शराब आदि का सेवन न करें। ठंड के आते ही अपने फैमिली डॉक्टर या एक्सपर्ट से रक्तचाप की दवाई के बारे में जानकारी लें और खाएं।

खतरनाक हो सकता है हाई ब्लड प्रेशर

डॉक्टरों के अनुसार सर्दी में हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों को पसीना नहीं निकलता और शरीर में नमक का स्तर बढ़ जाता है। इससे भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। सर्द हवाओं में हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों को सावधान रहना चाहिए।

समाधानः तेल और मक्खन से बने खाद्य पदार्थों से तो पूरी तरह बचें। रोज व्यायाम करें। सूरज निकलने के बाद ही मॉर्निंग वॉक पर जाएं। रक्तचाप, शुगर और दिल के रोगी एक बार अपने डॉक्टर से मिलकर अपनी दवाओं पर जरूर चर्चा कर लें।

सांसे पड़ने लगती है भारी

सर्दियों के मौसम में कोहरा बढ़ने से अस्थमा और एलर्जिक ब्रोंकाइटिस की तकलीफ भी बढ़ जाती है। क्योंकि ऐसे में एलर्जी के तत्व कोहरे के कारण हवा में उड़ते नहीं हैं, बल्कि आसपास ही रहते हैं।

समाधानः ऐसे मरीजों को ठंडे पानी के सेवन से बचना चाहिए और गरम पानी से भाप लेनी चाहिए। बहुत ज्यादा ठंड होने पर बाहर ना घूमें। अगर बाहर जाना भी हो तो नाक, कान और सिर ढंककर रखें। दवा नियमित रूप से लें।

इन बातों पर ध्यान दें

- सर्दियों में शरीर की नमी बनाए रखें। शरीर में पानी की कमी होने से कई नुकसान हो सकते हैं।
- ज्यादा देर तक धूप में रहने से आपको सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए सर्दियों में भी सन प्रोटेक्शन क्रीम लगाना न भूलें।
- ज्यादा चाय या कॉफी पीने से आपकी बॉडी में कैफीन और शुगर की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है और जो बाद में बीमारियों का कारण बनती है।
- गर्म दूध, ग्रीन टी या फिर गर्म पानी पिएं।
- सर्दियों में शरीर की जैविकीय घड़ी गड़बड़ा जाती है और सोने जागने की दिनचर्या बिगड़ जाती है। इसके कारण सेहत की दूसरी समस्याएं पैदा होती हैं।
- सर्दियों में बगैर मुंह ढके बाहर निकलना नुकसानदायक हो सकता है। धूल के कणों के कारण नाक और गले से संबंधित लेरिंजाइटिस, राइनाइटिस, फेरिजाइटिस और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों हो सकती हैं।
- इस मौसम में त्वचा में चकत्ते और खुजली जैसी समस्या बहुत जल्दी होती है। जो कपड़े पहनें वे साफ और मुलायम हों।

शुद्ध शाकाहारी भोजन

रोशनलाल पालीवाल

हमारे यहां सभी तरह के शाकाहारी भोजन व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।

पालीवाल शिव भोजनालय

3, चेतक मार्ग, उदयपुर - 313001 (राज.)

Phone : 0294-2429014, Mobile : 94603-24836

पड़ौसियों की भूमि पर कब्जे को वैध बनाने की चाल

ड्रैगन का ‘लैंड बॉर्डर लॉ’

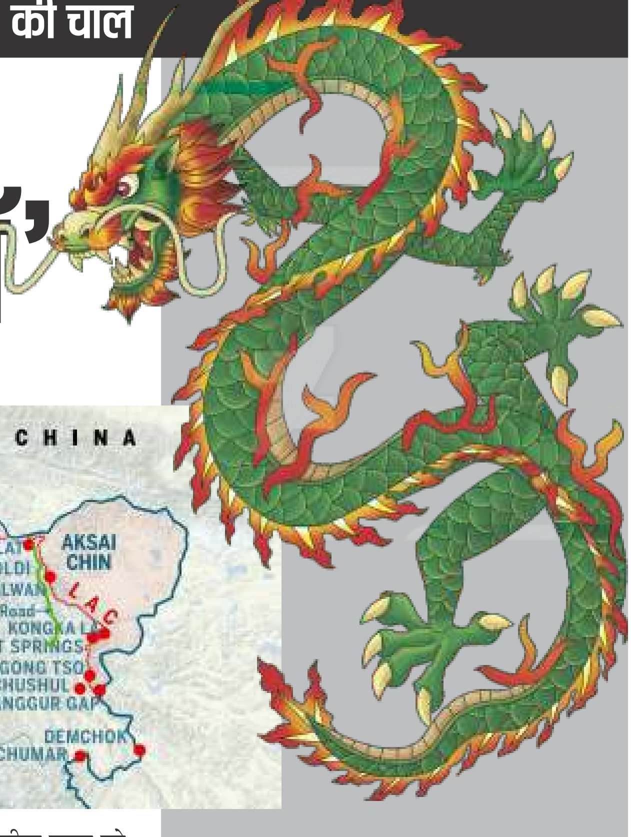

जगदीश सालवी

भारत से सीमा विवाद के बीच चीन ने नई चाल चली है। वहां की संसद ने सीमावर्ती इलाकों के संरक्षण और उपयोग से जुड़ा नया ‘लैंड बॉर्डर लॉ’ पारित किया है। इसमें चीन ने अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को पवित्र और अक्षुण्ण बनाए रखने का हवाला दिया है, लेकिन पर्यवेक्षकों के अनुसार यह चीन के सीमावर्ती इलाकों में बस्तियां बनाने से लेकर एलएसी पर सैन्य गतिविधियों को कानूनी मुहर देने वाला कानून है।

भारत ने चीन के नए भूमि सीमा कानून को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और उसे आगाह किया है कि वह ऐसे कदम नहीं उठाए, जो भारत–चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एकतरफा परिवर्तन करते हों। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस कानून के मद्देनजर कहा कि भारत और चीन बातचीत से सीमा मसले का निष्पक्ष, समुचित व परस्पर स्वीकार्य समाधान खोजने पर सहमति जता चुके हैं। चीन का यह कानून बनाने का एकतरफा निर्णय ना केवल सीमा मसले, बल्कि भारत के सीमा प्रबंधन संबंधी द्विपक्षीय समझौतों और व्यवस्थाओं पर असर डाल सकता है। बागची ने साफ कहा कि भारत को अपेक्षा है कि चीन इस कानून के तहत ऐसे कदम नहीं उठाएगा, जो भारत–चीन सीमा पर स्थिति में एकतरफा बदलाव लाते हों। 1963 के चीन–पाकिस्तान सीमा करार को कोई वैधानिकता नहीं मिलती है, जिसे भारत सरकार हमेशा से अवैध और अनाधिकृत कहती आ रही है।

गौरतलब है कि भारत–चीन के बीच दशकों पुराने सीमा विवाद का अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। सालों से हर स्तर पर वार्ताओं के दौर चलते रहे हैं, पर सब बेनतीजा। इसका मूल कारण है कि चीन विवादों के समाधान में नहीं, बल्कि उन्हें और उलझाने की रणनीति पर चलता आया है। इसलिए अब वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास उसका बढ़ती गतिविधियां चिंता का विषय हैं। सिक्किम में भी सीमा के पास सैनिकों के लिए स्थायी परिसर, हेलीपैड, हथियारों के भंडार केन्द्र जैसे निर्माण बता रहे हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थिति मजबूत कर रहा है। भारत के लिए यह इलाका सामाजिक लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। चीन के आक्रामक रूख को देखते हुए यह खतरा तो हमेशा बना रहता है कि वह कहीं और घुसपैठ कर विवादों की कड़ी में एक और विवाद न जोड़ दे।

चीन के नए सीमा कानून से तो यही संदेश मिलता है कि सीमाओं पर उत्पन्न

सीमा पर तनाव का नया पैंतरा

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ विवाद अभी सुलझा भी नहीं है कि अब दूसरे इलाकों में भी वह अपनी गतिविधियों से तनाव पैदा कर रहा है। हाल में अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी सीमाओं पर चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियां चिंता पैदा करने वाली हैं। इन दोनों प्रदेशों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन ने सैन्य जमावड़ा बढ़ाना शुरू कर दिया है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश में तो सीमा के पास पक्के निर्माण की तस्वीरें पिछले साल भी आई थीं। अब पता चल रहा है कि सिक्किम से लगी सीमा के पास भी ऐसा हो रहा है। सीमा के पास चीन की अचानक बढ़ी इस सक्रियता से यह तो स्पष्ट है कि वह अपने इन कदमों से भारत पर एक तरह का मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति पर भी चल रहा है। हालांकि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारत अब पूरी तरह तैयार है। गलवान की घटना से सीख लेकर भारत ने भी सीमाई इलाकों में मजबूत मोर्चाबंदी की है और चीन की सक्रियता पर पैनी नजर है। लेकिन इस बात का खतरा भी बढ़ता ही जा रहा है कि लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक चीन के कदम कहीं नया विवाद खड़ा करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहे।

विवादों को वह स्वीकार नहीं करता। जहां-जहां सीमाओं पर वह काबिज है, उसी का हिस्सा है। इस कानून के तहत चीन की सेनाओं को गश्त व निर्माण कार्य करने के अधिकार के पीछे उसका मकसद स्पष्ट हो जाता है। वह पहले से ही पड़ोसी देशों की जमीनों पर दादागिरी से कब्जा करता चला आ रहा है, लेकिन यह कानून एक ऐसे वक्त में लाया गया है जब भारत के साथ उसका सीमा विवाद चल रहा है। पूर्वी लद्दाख में उसने भारतीय सीमा के कुछ केन्द्रों पर कब्जा कर रखा है और पक्के निर्माण भी। दोनों देशों के बीच में काफी तनाव है। इसके साथ ही चीन ने सैन्य स्तर की वार्ताओं का क्रम भी जारी रखा हुआ है, जो उसकी गहरी चाल का हिस्सा है। लद्दाख के अलावा चीन ने अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम सीमा पर भी सैन्य गतिविधियां बढ़ा रखी हैं और निर्माण कार्य भी कर रहा है। उसके भविष्य के इरादों का पता चलता है।

चीन के इस नए कानून के अनुसार पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और पीपुल्स आर्म्ड पुलिस फोर्स किसी भी आक्रमण, अतिक्रमण, घुसपैठ, उकसावे के खिलाफ सीमा की रक्षा के लिए कार्रवाई करेगी। जरूरत पड़ने पर चीन सीमा को बंद भी कर सकता है।

यह भी कम हैरानी की बात नहीं है कि जिन देशों से उसके सीमा विवाद है, उनके साथ कारोबारी रिश्ते भी हैं। इसलिए सीमा विवाद खड़े करने, सीमाओं पर सैन्य जमावड़ा बढ़ा कर तनाव पैदा करने की बजाय चीन को यह सोचने की जरूरत है कि पड़ोसियों के साथ विवाद कैसे सुलझें, जिससे क्षेत्र में शांति और सद्भाव की बयार बह सके।

भारत से लंबित सीमा विवाद

चीन ने 12 पड़ोसी देशों के साथ सीमा संबंधी विवाद सुलझाने का दावा किया है, लेकिन उसने भारत और भूटान के साथ अब तक सीमा संबंधी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 3488 किलोमीटर क्षेत्र में है जबकि भूटान के साथ विवाद 400 किमी की सीमा पर है। चीन और भूटान ने पिछली 14 अक्टूबर को सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए तीन चरणीय रोडमैप को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

Naveen Jain
Director
9983174974

Nalwaya
Fittings Suppliers

A complete Range of Sanitary & Plumbing Solution

CERA
Reflects your Style

SENSOR
STAINLESS STEEL KITCHEN SINK

SUPREME
Exclusive Bath Fittings

H.O.: Shop No. 1, First Floor
Kasturba Hospital
Delhigate, Udaipur (Raj.)
B.O. Off.: Ayad Road
Thokar Chouraha, Udaipur
Email: nalwayanaveen@gmail.com

डाइट में ज़रूरी फाइबर

मोनिका अग्रवाल

सभी पोषक तत्वों की तरह भोजन में फाइबर होना भी आवश्यक है। फाइबर शरीर को कई रोगों से बचाने में मदद करता है। दिक्कत यह है कि ज्यादातर लोग उतनी मात्रा में फाइबर को भोजन में शामिल नहीं करते, जितना वह जरूरी है।

इंसुलिन व कोलेस्ट्रॉल ठीक रखने से लेकर शरीर में अच्छे बैक्टीरिया बनाने में फाइबर की खास भूमिका होती है। विशेषज्ञों के अनुसार दिन भर में एक वयस्क पुरुष को कम से कम 30 ग्राम व महिलाओं को 25 ग्राम फाइबर खाना चाहिए। पर हममें से ज्यादातर रोज 14 ग्राम फाइबर ही खाते है। जंक फूड, रिफाइंड व प्रोसेस्ड फूड अधिक खाए जाने से हमारे भोजन में फाइबर की मात्रा कम होती जा रही है। इस वजह से मधुमेह, कब्ज व पेट से जुड़ी परेशानियां बढ़ती जा रही हैं।

फाइबर दो तरह के होते हैं। घुलनशील और अघुलनशील। दोनों ही फाइबर शरीर के लिए जरूरी होते हैं। घुलनशील फाइबर पानी में घुल जाता है और मेआबॉलिक रिएक्शन के दौरान आंत में अच्छे बैक्टीरिया बनाता है, जिससे पाचन क्षमता बेहतर बनती है। अघुलनशील फाइबर पानी में नहीं घुलते। इससे कब्जे से छुटकारा मिलता है।

हमारे लिए फाइबर की कितनी मात्रा जरूरी है, यह दिन भर में खाई जाने वाली कैलोरी की मात्रा और उम्र पर भी निर्भर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार हर 1000 ग्राम कैलोरी पर 14ग्राम फाइबर लेना चाहिए। अगर हम दिनभर में 2500 ग्राम कैलोरी लेते हैं तो हमें 30 ग्राम फाइबर जरूर लेना चाहिए। एक से चार साल तक के बच्चों को रोज 10 से 15 ग्राम फाइबर पर्याप्त होता है। चार से दस साल तक के बच्चों को 20 ग्राम व किशोर व उनसे बड़ों को कम से कम 25 ग्राम व किशोर व उनसे बड़ों को कम से कम 25 ग्राम तक फाइबर जरूर लेना चाहिए। बच्चे हो या बड़े फाइबर सभी के लिए जरूरी है।

फाइबर के लाभ

फाइबर की सही मात्रा से वजन काबू रखने में मदद मिलती है। फाइबरयुक्त भोजन से देर तक पेट भरे रहने का एहसास रहता है। उच्च फाइबर युक्त खाना पानी को सोख लेता है, इससे पेट जल्दी भरने का एहसास होता है व अपशिष्ट पदार्थ शरीर से जल्दी बाहर निकलते हैं। फाइबर से खून में धीमी गति से शर्करा मिलती रहती है, इससे भूख बार-बार नहीं लगती, सिर दर्द नहीं होता व थकान भी कम होती है। फाइबर युक्त भोजन से कार्बोहाइड्रेट, ग्लूकोज में धीमी गति से परिवर्तित होता है, इससे इंसुलिन काबू रखने में मदद मिलती है। शरीर की वसा व शुगर को ग्रहण करने की क्षमता में भी सुधार होता है। आंतों की सफाई होती है। इससे कई तरह के कैंसर से भी बचाव होता है।

शामिल करें आहार में फाइबर

सुबह नाश्ते में मल्टीग्रेन दलिया व ओट्स खाएं। इसे मीठा, नमकीन व सब्जियों केसाथ, किसी तरह खा सकते हैं। साथ में केला व सूखे मेवे खाएं। ब्रेड हमेशा सब्जियों के साथ खाएं। जूस की बजाय फल खाएं। दोपहर के समय खाने में टमाटर की चटनी शामिल करें। उबले हुए बींस, आलू, कद्दू व शकरकंद खाएं। सलाद पत्ते में भी भरपूर फाइबर होता है। दाल व चावल भी खा सकते हैं। रात में हल्का ही खाएं। उबले हुए चावल को रसेदार सब्जी के साथ खाएं। पतली खिचड़ी व दलिए में भरपूर फाइबर होता है। फल व दही खाना भी अच्छा रहता है।

इनमें हैं, भरपूर फाइबर

- जई, दलिया व दूसरे मोटे अनाज में भरपूर फाइबर होता है। ब्राउन ब्रेड में सफेद ब्रेड से ज्यादा फाइबर होता है। ब्रेड, पिज्जा, मैक्रोनी व पास्ता आदि को खूब सारी सब्जियों के साथ ही खाएं।
- बींस, दाल, छोले व सलाद पत्ता फाइबर के अच्छे स्रोत हैं।
- रोजमर्रा की डाइट में बहुत सारे फल व सब्जियां खाएं। शकरकंद, सीताफल, टमाटर, खीरा, ब्रोकली, बैर, स्ट्रॉबेरी, सिंघाडा, सेब व केला आदि खाएं।
- मीठा खाने के शौकीन हैं तो सूखे मेवे व फल खाएं।
- हल्के-फुल्के नाश्ते के तौर पर छिलके समेत ताजे फल व सब्जियां, ओट्स और सूखे मेवे खाएं। इससे शरीर को पोषक तत्व भी ज्यादा मिलते हैं।

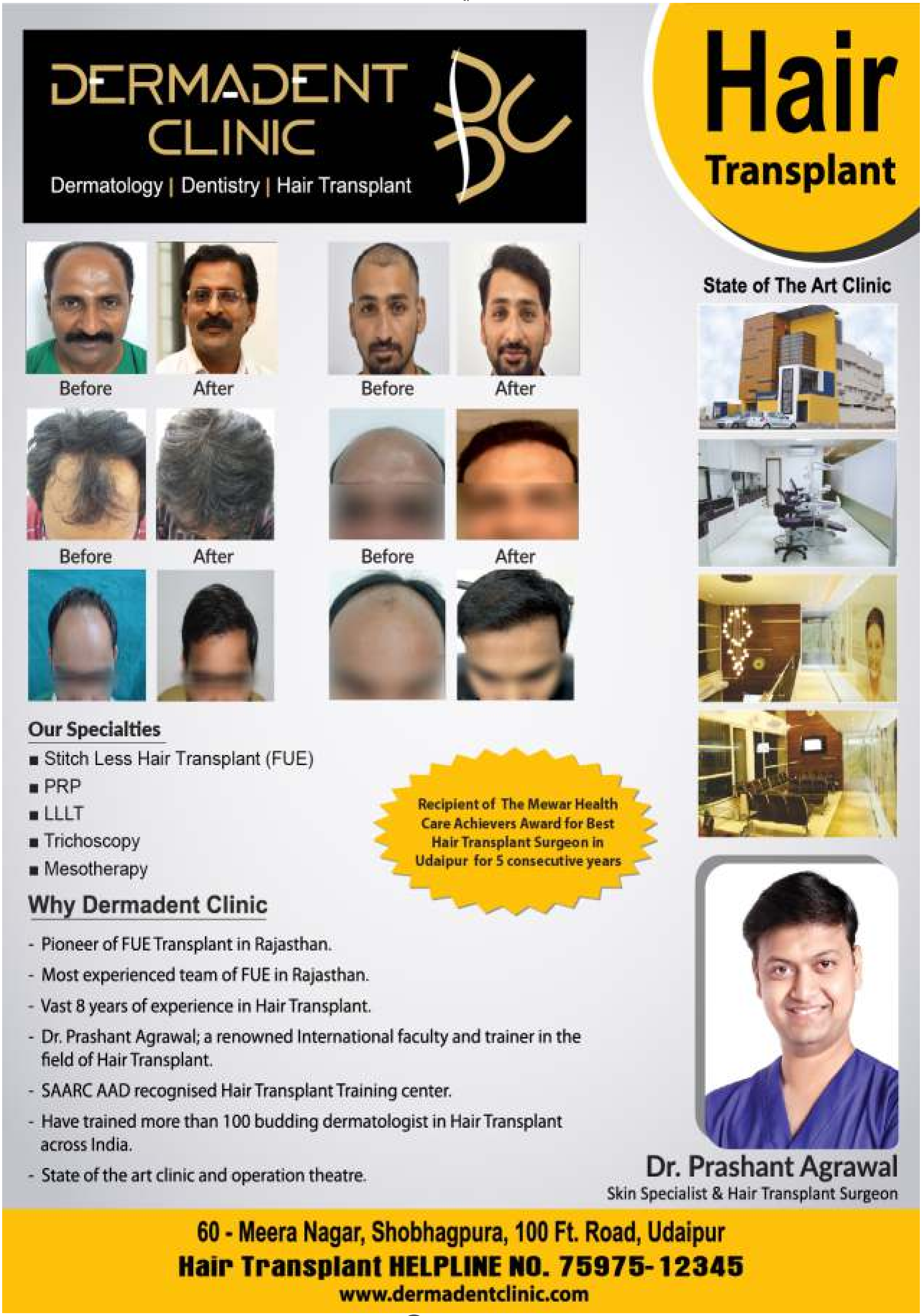
DERMADENT CLINIC
Dermatology | Dentistry | Hair Transplant
Hair Transplant
Before
After
Before
After
Before
After
Before
After
State of The Art Clinic
Our Specialties
■ Stitch Less Hair Transplant (FUE)
■ PRP
■ LLLT
■ Trichoscopy
■ Mesotherapy
Recipient of The Mewar Health Care Achievers Award for Best Hair Transplant Surgeon in Udaipur for 5 consecutive years
Why Dermadent Clinic
- Pioneer of FUE Transplant in Rajasthan.
- Most experienced team of FUE in Rajasthan.
- Vast 8 years of experience in Hair Transplant.
- Dr. Prashant Agrawal; a renowned International faculty and trainer in the field of Hair Transplant.
- SAARC AAD recognised Hair Transplant Training center.
- Have trained more than 100 budding dermatologist in Hair Transplant across India.
- State of the art clinic and operation theatre.
Dr. Prashant Agrawal
Skin Specialist & Hair Transplant Surgeon
60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur
Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345
www.dermadentclinic.com

यीशु : नया नजरिया और नई जीवन शैली

प्रभु यीशु का अहम पैगाम है - प्यार, सेवा, क्षमा, भाईचारा, समन्वय और शांति। यही मानवीय मूल्य भी हैं। ईसा एक खुशखबरी है, जो हर इंसान को कुछ न कुछ दे जाने की क्षमता रखती है। ईसा अपने आप में इंसानी ज़िंदगी का एक नया नजरिया विचारधारा परम्परा और जीवन शैली है।

प्रभु यीशु मसीह के जन्म की खुशी में संपूर्ण विश्व में बड़ा दिन अर्थात क्रिसमस 25 दिसम्बर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन परमेश्वर के पुत्र प्रभु यीशु मसीह ने इस संसार में जन्म लिया इसलिए इस दिन को बड़ा दिन भी कहा जाता है। वैसे क्रिसमस का अर्थ होता है क्राइस्ट + मास यानि मसीह की आराधना। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में क्रिसमस मनाने के कई तरीके तथा परम्पराएं संसार में व्याप्त हैं। क्रिसमस के पर्व में अनेक प्रकार का दिखावा तथा भड़कीला प्रदर्शन क्रिसमस के अर्थ को प्रकट नहीं करता। घरों पर स्वादिष्ट पकवान, नये वस्त्र धरण करना तथा चर्चा में आराधना करना आदि क्रिसमस को मनाने का अर्थ इससे भी बढ़कर है।

हृदय की शुद्धता

सामान्य रीति से हम सभी अपने घरों की साफ-सफाई रंग-रोगन पर जिस प्रकार से ध्यान देते हैं। घर को सुंदर रीति से सजाते हैं ठीक उसी प्रकार से प्रभु यीशु मसीह के जन्म दिवस पर हमें उसे अपनी हृदय रूपी चरनी में जन्म लेने के लिए हृदय की सारी मलिनता, कलुषता, घमण्ड तथा दुष्टता के विचारों से शुद्ध करना चाहिए। इसके लिए सच्चे मन से पश्चाताप तथा पापों की क्षमा प्राप्त करना चाहिए। तभी प्रभु का हमारे हृदय में जन्म होना संभव है।

आनंद और स्तुति

क्रिसमस के अवसर पर अपार प्रसन्नता का अनुभव होना आवश्यक है। क्रिसमस का आयोजन सुंदरता व शालीनता के साथ हो। सांसारिकता में अधिक समय व्यतीत करने के बजाय प्रभु की महिमा, प्रार्थना, सेवा तथा धन्यवाद में समय व्यतीत हो। क्रिसमस की खुशी में अन्य को भी सम्मिलित करें ताकि प्रभु के प्रेम, आशा तथा जीवन के सभी भागीदार बन सकें।

गरीबों तथा पीड़ितों की सेवा करना

क्रिसमस का अर्थ तभी साकार होगी जब हम गरीबों, अनाथों तथा पीड़ितों की सुध लेकर उनकी आवश्यकता के अनुरूप उनकी सहायता करें। जो हमें कुछ भी नहीं लौटा सकते उनकी सहायता करने में ही क्रिसमस की सच्ची सार्थकता है। गरीबों की सेवा करने के द्वारा मन तथा हृदय को जो सच्ची शांति तथा संतुष्टि मिलती है वैसी हजारों लाखों रुपए खर्च करने पर भी नहीं मिल पाती।

मेल-मिलाप तथा मित्रता का भाव

क्रिसमस वो अवसर है जो प्रभु यीशु मसीह के

क्रिसमस का महत्व

प्रभु यीशु मसीह इस संसार में सभी लोगों को बचाने एवं उन्हें अनन्त जीवन प्रदान करने आए। पवित्र बाइबिल के अनुसार जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह अनन्त जीवन पाएगा। इसी विश्वास के आधार पर हम प्रभु यीशु मसीह के जन्म के अर्थ को समझ सकते हैं। प्रभु पर अटल विश्वास तथा उन्हें अपने हृदय में स्थान प्रदान कर ही हम सही मायनों पर क्रिसमस मना सकते हैं। प्रभु यीशु मसीह का जीवन मानवजाति के लिए एक आदर्श है। उन्होंने एक निर्धन परिवार में जन्म लिया। अनेक अभावों एवं कष्टों में वे संघर्ष कर बड़े हुए। वे हमेशाअपने माता-पिता तथा बड़ों के आज्ञाकारी बने रहे। मन वचन तथा कर्म से हमेशा पवित्र रह कर उन्होंने सांसारिकता से कभी समझौता नहीं किया। वे चाहते थे कि मनुष्य पवित्र बने। सिर्फ बाहरी रूप से दिखावे के लिए नहीं, परंतु सच्चे हृदय से पवित्र बने। यह प्रभु की आज्ञा है कि मनुष्य प्रेम तथा सेवा के साथ इस संसार में आदर्श जीवन व्यतीत करें।

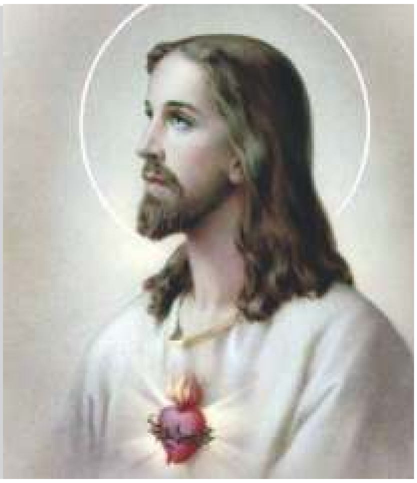

जन्म के अनुरूप मानवता को आनंद तथा प्रसन्नता उपहार स्वरूप प्रदान करता है। स्वयं प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस से मानवता को प्रेम तथा क्षमा का महान संदेश दिया। आज हमारे समाज में परिवारों में सर्वत्र मतभेद, मनमुटाव, शत्रुता तथा बैर व्याप्त है। प्रभु की इच्छा है कि हम सारी बुरी बातों को मिटाकर मित्रता का हाथ बढ़ाएं। ऐसा करना कठिन जरूर है परंतु असंभव नहीं।

सेवा तथा समर्पण की तत्परता

प्रभु यीशु मसीह जीवन पर्यन्त मानवता की सेवा के अवसर चुनौती के साथ विद्यमान है। गरीब, लाचार, रोगी, असहाय, बुर्जुग आदि सेवा के बड़े विषय है। यद्यपि हम महान पुरुषों के समान नियमित सेवा न कर सकें, परंतु अपने धन तथा समय के द्वारा भी सेवा कर सकते है। क्रिसमस प्रेम, स्नेह, भाईचारा तथा सेवा का हाथ बढ़ाने वाला पर्व है। क्रिसमस मनाने का सुंदर अवसर यही है कि प्रभु यीशु मसीह के आदर्शों को हम अपने जीवन में उतारें।

– परमिनास मैथ्यू

ध्यान देने व याद रखने वाली बातें

एक व्यक्ति का कचरा दूसरे का खजाना

किसी भी वस्तु को फेंके नहीं। उसे आपसे ज्यादा आवश्यकता वाले को दे देवें या उसको साफ कर पुन: उपयोग में लेवें या पुनर्चक्रण करे।

किसी भी वस्तु का त्याग न करें जब तक वो खराब न हो जाए।

यदि कोई भी वस्तु कम से कम मूल्य की हो परंतु अच्छी हो तो उसका त्याग न करें और यदि कोई वस्तु महंगी से महंगी हो परंतु खराब हो, सड़ी हो या अनुपयोगी हो तो उसे संचित न करें, त्याग कर दें, पुनर्चक्रण कर दें, फेंक दे। याद रखें हम जीवित व्यक्ति को चोट नहीं पहुंचाते और मृत शरीर को नहीं रखते भले ही उससे कितना ही प्रेम करते हों।

दूसरे के साथ वही व्यवहार करें जो हम अपने लिए चाहते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति से प्रेम और आदर से व्यवहार करें। वे आप जैसे ही हैं, न आप से ज्यादा न आप से कम।

ज्योहीं गंदगी हो उसे जल्दी से साफ करें।

गंदगी दिखते ही जितना जल्द से जल्द से हो सके साफ कर देना चाहिए अन्यथा विलम्ब होने पर साफ करने में ज्यादा मशक्कत करनी पड़ेगी।

यदि आप तोड़ते हैं तो मरम्मत भी करें, यदि ठीक नहीं कर सकते तो किसी से मदद लें।

यदि आप तोड़ते हैं तो उसी समय या जल्द से जल्द जोड़े या ठीक करें क्योंकि एक टूटी हुई वस्तु रखने से वस्तु और ज्यादा टूटेगी। यदि आप नहीं ठीक कर सकते है तो किसी की सहायता लीजिए। यदि वह ठीक नहीं हो सकती है तो उसे पुनर्चक्रण करें या जाने दें।

- यदि आप खोलते हैं तो उसे बंद करें, जैसे दरवाजा या शीशी इत्यादि।
- यदि आप किसी को चालू करते हैं तो बंद कीजिए जैसे नल या बिजली इत्यादि
- यदि आप खोलते है तो उसे बंद कीजिए जैसे ताला इत्यादि
- यदि आप तोड़ते है तो उसे जोड़े या फिक्स करें तथा स्वीकार करें कि आपने तोड़ा है।
- यदि आप फिक्स नहीं कर सकते है तो किसी को फिक्स करने के लिए बुलाइये जो फिक्स कर सके।
- यदि आप कोई वस्तु या कुछ भी उधार लेते हैं तो उसे जल्द से जल्द संभव हो लौटाइये।
- यदि आप किसी की कीमत समझते हैं तो उसको संभालकर रखिये।
- यदि आप किसी चीज को कहीं से हटाते हैं तो उसे पुन: वहीं रखिए।
- यदि कोई वस्तु किसी अन्य की है तो उसे इस्तेमाल करने से पहले इजाजत लीजिए।
- यदि आप किसी मशीन को चलाना नहीं जानते तो सीखिए या उसे छोड़िए।
- यदि आप का कोई कार्य नहीं है तो सवाल भी मत करिए।

– दुर्गाशंकर नागदा

प्रत्यूष
प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

एलर्जी को न करें नजर अंदाज

निधि गोयल

कुछ लोगों को प्रायः एलर्जी की शिकायत रहती है। लेकिन ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं, जो मौसम बदलने के साथ और खासकर सर्दियों के मौसम में कई तरह की एलर्जी के शिकार हो जाते हैं। प्रस्तुत है ऐसी कुछ एलर्जी और उनके बारे में उपयोगी देसी उपचार-

मौसम के बदलने के साथ बीमारियां दस्तक देने लगती हैं। बीमारियों का सबसे बड़ा कारण एलर्जी होता है। त्वचा की एलर्जी तो एक गंभीर समस्या होती है, जो जिंदगी भर के लिए आपके पीछे लग जाती है, लेकिन कुछ एलर्जी मौसम में बदलाव के साथ आरंभ होती है। ऐसी एलर्जी शरीर के सबसे संवेदनशील अंगों जैसे आंख, नाक, कान, गले और त्वचा को प्रभावित करती है। अगर आपको मौसम बदलने पर छीकें आने लगती हैं या त्वचा में खुजली होती है तो ये भी एलर्जी हो सकती है।

क्यों होती है एलर्जी

एलर्जी के लिए मुख्य रूप से हमारे आसपास का वातावरण जिम्मेदार होता है। इस मौसम में धूल के कण नीचे आ जाते हैं, वहीं दूसरी ओर पटाखों के कारण हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ा हआ होता है। इन कारणों से लोग आसानी से एलर्जी के शिकार हो जाते हैं।

एलर्जी के सामान्य लक्षण

सर्दी-जुकाम, खुजली और सिरदर्द इसके प्रमुख लक्षण है

कंजंक्टिवाइटिस, धूल, धुएं, कॉन्टेक्ट लेंस और सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से हो सकती है एलर्जी। इनसे आंखों में लाली, पानी आना, जलन और खुजली जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं।

कुछ लोगों को पूरे शरीर में एलर्जी हो जाती है। इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं, जैसे पेट में दर्द, उल्टी, त्वचा पर रेशेज आदि।

स्किन एलर्जी में त्वचा पर लाल रंग के रेशेज, खुजली, चकत्ते और दाने निकलना इसके प्रमुख लक्षण है।

खान पान पर दें ध्यान

शरीर को किसी भी रोग से बचाने के लिए सबसे पहली शर्त है शरीर का आंतरिक तौर पर मजबूत होना और रोगों से लड़ने में समर्थ होना। इसके लिए जरूरी है, उचित खान-पान, शारीरिक रूप से सक्रियता और पर्याप्त नींद, पोषक तत्वों से भरपूर खाना खाएं। अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करें, जिनसे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। हर दिन एक सेव खाएं। नियमित रूप से ग्रीन टी पिएं। तुलसी वाली चाय पिएं या फिर सुबह खाली पेट तुलसी की कुछ पत्तियां खाएं। इसी तरह से विटामिन सी से भरपूर खट्टे फल खाने से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

कॉस्मेटिक चीज पर नजर

इस मौसम में कई बार त्वचा पर अचानक

इन पर दें ध्यान

- घर के आसपास गंदगी न होने दें।
- सुबह के वक्त खिड़कियां खोल दें, ताकि घर में ताजी हवा का प्रवेश हो सके।
- जिन खाद्य पदार्थों से एलर्जी है, उनसे हमेशा दूर रहें। एकदम गर्म से ठंडे और ठंडे से गर्म वातावरण में न जाए।
- टू व्हीलर चलाते समय मुंह और नाक पर रूमाल बांधें, आंखों पर धूप का चश्मा लगाए।
- हर दूसरे दिन चादरें बदलें और कुछ दिन के अंतराल पर गद्दों को धूप में सुखाएं।
- यदि पालतू जानवरों से एलर्जी है तो उन्हें घर में न रखें।
- जिन पौधों के पराग कणों से एलर्जी है, उनसे भी दूर रहें।
- नाक की एलर्जी से पीड़ित लोगों की नाक के पूरे रास्ते में एलर्जिक सूजन पाई जाती है। ऐसा धूल और पराग कणों जैसी एलर्जी पैदा करने वाली चीजों के सम्पर्क में आने की वजह से होता है।

आंखों में जलन होने पर

आपकी आंखों में जलन या खुजली हो रही है तो आंखों को ठंडे पानी या गुलाब जल से धोएं। घर से बाहर निकलने से पहले आंखों को धूप वाले चश्मे से ढक लें। आप खीरा काटकर भी आंखों पर रख सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

नमक के गरारे

एलर्जी होने पर नमक के पानी से गरारा करने पर आपकी नाक और मुंह में फंसे हुए धूल के कण और बलगम बाहर निकल जाते हैं। इससे आपकी नाक की एलर्जी की समस्या दूर हो जाती है। अपने आसपास साफ-सफाई रखें, क्योंकि ज्यादातर एलर्जी बैक्टीरियां के कारण ही होती है।

निकल आए रेशेज का कारण दवा, साबुन, कॉस्मेटिक या परफ्यूम जैसी किसी भी चीज की एलर्जी हो सकती है। त्वचा पर एलर्जी की वजह से हुए रेशेज कई बार खुद ही चले जाते हैं। कई बार इन्हें दूर करने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने पड़ते हैं, जिनका ध्यान रखें।

थोड़े और जागरूक हो जाएं तो कल की बात बन जाए एड्स

आमतौर पर एड्स का अर्थ है एक जानलेवा बीमारी, लेकिन अब स्थिति बदलती जा रही है। तेजी से फैल रही जागरूकता को देखते हुए तो यही लगता है कि एड्स का आतंक अब कुछ ही समय में खत्म हो जाएगा और हम इसे कल की बात कहने लगेंगे। विश्व एड्स दिवस (1 दिसम्बर) के मौके पर पेश है ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी-

मृदुला भारद्वाज

एक दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस है। यह एक ऐसा दिन है जिसे पूरी दुनिया में एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनल डिफिशियेंसी सिंड्राम के बारे में जागरूकता फैलाने के दिन के रूप में जाना जाता है। वर्षों पहले जब एड्स का भारत में प्रसार हुआ था तो लोग इस बीमारी को दहशत की नजर से देखते थे। ये एड्स संक्रमित लोगों के पास जाने से भी घबराते थे। आम लोगों में जागरूकता का स्तर शून्य था। वे इतना ही जानते और समझते थे कि एड्स एचआईवी नाम के एक वायरस के कारण होता है और इसके बाद मरीज का बचना नामुमकिन होता है।

इस कथित महामारी के आगमन के बाद एक तरफ एड्स के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती गई और दूसरी लोगों में जागरूकता फैलाने और एड्स की रोकथाम के उपायों पर अमल किया जाने लगा। इनके सुखद परिणाम भी देखने में आए। भारत में भी एक समय जहां एड्स रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही थी, उसमें गिरावट आने लगी।

सन 2004 में भारत में 55 लाख लोगों एड्स से संक्रमित होने का अनुमान था। 2007 में यह अनुमान घटकर 25 लाख हुआ। इसके बाद तो एड्स रोगियों की संख्या लगातार घटती गई। जाहिर है लोगों में एड्स को लेकर जागरूकता काफी बढ़ गई है और वे किसी भी तरह के यौन संबंधों में सावधानी बरतने लगे हैं। गुजरे वर्षों में यह भी देखने में आया है कि पहले की तरह अब लोग एड्स को छिपाते नहीं बल्कि उसका संभावित इलाज करवाते हैं। तमाम जागरूकता के बावजूद एड्स दिवस एक ऐसा मौका है, जब हम इस बीमारी के बारे में कुछ बातें, नई जानकारियां जानें।

एचआईवी और एड्स में फर्क

एचआईवी संक्रमित होने का अर्थ है कि आपके शरीर में यह वायरस किसी भी कारण से उपस्थित है, जबकि एड्स मरीज की वह स्थिति है, जहां व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक प्रणाली पूरी तरह से काम करना बंद कर देती है। ऐसे में मरीज के शरीर में कई तरह के रोगाणु एकत्रित हो जाते हैं और मरीज सर्दी–जुकाम जैसे आम संक्रमणों से भी नहीं लड़ पाता।

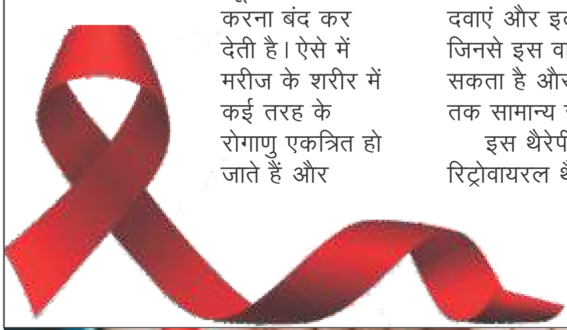

अभी तक डॉक्टर एड्स या एचआईवी का कोई कारगर इलाज तलाश नहीं कर पाए हैं, लेकिन ऐसी दवाएं और इलाज जरूर मौजूद हैं, जिनसे इस वायरस पर काबू पाया जा सकता है और एड्स मरीज काफी समय तक सामान्य जीवन जी सकता है।

इस थैरेपी का नाम है एंटी रिट्रोवायरल थैरेपी। यह थैरेपी आम आदमी की पहुंच में है और इसकी मदद से व्यक्ति इस वायरस से लड़ सकता है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

राजस्थान में सियासी संकट का पटाक्षेप

मंत्रिमंडल पुनर्गठन : पन्द्रह मंत्रियों ने ली शपथ

नन्दकिशोर

राजस्थान में सत्तासीन कांग्रेस में करीब सवा साल की गुटीय जद्दोजहद के बाद आखिर 21 नवम्बर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 15 नए मंत्रियों को शामिल करते हुए अपने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर दिया। आलाकमान ने गहलोत व सचिन पायलट के साथ कई दौर की बैठक के बाद अंततः वह फार्मूला तैयार कर ही लिया, जिस पर पिछले दिनों कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी मोहर लगा दी थी। जिन नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, उन्हें लेकर दोनों ही प्रतिद्वंद्वी खेमों ने संतोष व्यक्त किया है। मंत्रिमंडल गठन के बाद अब सचिन पायलट को मिलने वाली नई जिम्मेदारी पर सबकी निगाहे हैं। गहलोत सरकार के तीन साल के कार्यकाल के बाद यह पहला मंत्रिमंडल पुनर्गठन था। जो उनके राजनैतिक कौशल को भी स्पष्ट करता है। नए मंत्रियों को राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सबसे पहले हेमाराम चौधरी को शपथ दिलाई गई। दूसरे नम्बर पर महेन्द्रजीत सिंह मालवीय व तीसरे नम्बर पर रामलाल जाट ने शपथ ली।

.... हम साथ-साथ हैं

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्रिमंडल पुनर्गठन के साथ ही कुछ विधायकों को सीएमओ में सलाहकार बनाकर व कुछ को जल्दी ही राज्य विधानसभा में संसदीय सचिव नियुक्त कर संतुष्ट करने की कोशिश की है, इनमें कुछ निर्दलीय तो कुछ बसपा छोड़कर सरकार को समर्थन देने वाले हैं। मंत्रिमंडल में शामिल 15 मंत्रियों में से 10 गहलोत खेमे से हैं, जबकि पायलट खेमे से पांच को जगह मिली है, उनमें पिछले वर्ष सियासी संकट के दौरान मंत्री पद से बर्खास्त किए विश्वेन्द्रसिंह, रमेश मीणा व गोविंदराम मेघवाल भी शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि पार्टी में हर बार की तरह कार्यकर्ताओं का सम्मान हुआ है। पूरी केबिनेट नई बनी है। हर वर्ग और क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास हुआ है। जिन जिलों से मंत्री शामिल नहीं कर पाएं हैं, उन पर विशेष ध्यान देना हमारी प्राथमिकता होगी। पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि उनकी किसी से कोई नाराजगी नहीं थी। हम सब एक हैं। उन्होंने हमेशा मुद्दों की बात की, व्यक्ति विशेष की नहीं। मुझे खुशी है कि सोनिया गांधी ने हमारी समस्याओं को लेकर जो कमेटी बनाई थी, उसका सकारात्मक परिणाम आया है। मुझे खुशी है कि मंत्रिमंडल पुनर्गठन में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

दलित वर्ग को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व

लम्बे समय से सरकार में दलित प्रतिनिधित्व नहीं था, जिसकी भरपाई अब चार दलित मंत्रियों को शपथ दिलाकर की गई है। पायलट ने इस बात से इनकार किया कि यहां कोई गुट है। हम सब सोनिया गांधी के नेतृत्व में एकजुट हैं और अगला चुनाव जीतने की तैयारी में हैं। मंत्रिमंडल में तीन महिला मंत्रियों की नियुक्ति इस बात का भी संकेत देती है कि उत्तरप्रदेश में प्रियंका गांधी के महिला प्रतिनिधित्व वाले मॉडल को यहां भी मूर्त रूप देकर अगले चुनाव में पार्टी की जीत के लिए महिला मतदाताओं को रिझाने का प्रयास हुआ है। वरिष्ठता के क्रम की उपेक्षा को लेकर भी पार्टी के कुछ विधायकों में असंतोष के स्वर उभरे जरूर हैं, लेकिन उन्हें शांत कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जून 2020 में आकस्मिक रूप से उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के तेवर बदलने से उत्पन्न सियासी संकट से तनाव में जरूर थे, हालांकि उन्होंने अपने बॉडी लैंग्वेज से कभी ऐसा जाहिर नहीं होने दिया। कोरोना काल में उन्होंने पूरी चुस्ती-मुस्तैदी के साथ प्रदेश को महामारी से मुकाबले में रखा। अंततः राजस्थान ने कोरोना को मात दी। उनके मैनेजमेंट से कहीं असंतोष और अव्यवस्था नहीं दिखाई दी। वे स्वयं इस रोग के शिकार हुए बावजूद इसके घर से ही उनकी मॉनिटरिंग ने सबका दिल जीत लिया। अब वे राजनैतिक क्राइसेस से मुक्त हैं और राजनैतिक नियुक्तियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करते हुए 2023 के रण के लिए कमर कस चुके हैं। केबिनेट में अब कोई स्थान रिक्त नहीं है। सभी 30 पद भर दिए गए हैं। जिनमें मुख्यमंत्री समेत 20 केबिनेट स्तर के जबकि 10 राज्यमंत्री स्तर के हैं। गहलोत मंत्रिमंडल पुनर्गठन से पूर्व के किसी भी मंत्री को हटाया नहीं गया है। शिक्षामंत्री पद से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत पर इस्तीफा दिया, जबकि हरीश चौधरी व रघु शर्मा ने केन्द्रीय संगठन द्वारा क्रमशः पंजाब व गुजरात का प्रभारी बनाए जाने से त्याग पत्र दिए। इन दोनों राज्यों में भी अगले साल चुनाव होने हैं।

प्रत्यूष कार्यालय में महेन्द्रजीत सिंह मालवीया

नया स्वरूप

1. **मुख्यमंत्री अशोक गहलोत :** वित्ता एवं टैक्सेशन, गृह व न्याय, कार्मिक विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, कैबिनेट सचिवालय, एनआरआई, आईटी एवं कम्युनिकेशन, सूचना एवं जनसम्पर्क
2. **बी.डी. कल्ला :** एजुकेशन, संस्कृत शिक्षा, आर्ट एण्ड कल्चर व एएसआई
3. **शांति धारीवाल :** स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं हाउसिंग, कानून इलेक्शन
4. **परसादी लाल मीणा :** मेडिकल एंड हेल्थ, एक्साइज
5. **लालचंद कटारिया :** कृषि एवं पशुपालन व मत्स्य
6. **प्रमोद जैन भाया :** खान एवं पेट्रोलियम व गोपालन विभाग
7. **उदयलाल आंजना :** सहकारिता विभाग
8. **प्रतापसिंह खाचरियावास :** खाद्य एवं आपूर्ति विभाग
9. **सालेह मोहम्मद :** अल्पसंख्यक मामलात विभा
10. **हेमराम चौधरी :** वन एवं पर्यावरण मंत्री
11. **महेन्द्रजीतसिंह मालवीया :** जल संसाधन विभाग
12. **महेश जोशी :** पीएचईडी विभाग
13. **रामलाल जाट :** राजस्व विभाग
14. **रमेश मीणा :** पंचायती राज एवं ग्रामीण
15. **विश्वेंद्रसिंह :** पर्यटन विभाग
16. **ममता भूपेश :** महिला एवं बाल विकास विभाग
17. **भजनलाल जाटव :** सार्वजनिक निर्माण विभाग
18. **टीकाराम जूली :** सामाजिक सुरक्षा विभाग
19. **गोविंदराम मेघवाल :** आपदा प्रबंधन विभाग
20. **शकुंतला रावत :** उद्योग मंत्री

21 **अर्जुनसिंह बामनिया :** ट्राइबल एरिया डवलपमेंट (स्वतंत्र प्रभार), पीएचडी, भूजल राज्य मंत्री

22. **अशोक चांदना :** खेल मंत्री, स्किल डवलपमेंट, रोजगार (स्वतंत्र प्रभार), जनसम्पर्क, आपदा प्रबंधन, योजना राज्य मंत्री

23 **भंवरसिंह भाटी :** ऊर्जा (स्वतंत्र प्रभार) वाटर रिसोर्स, इंदिरा गांधी नहर परियोजना (राज्यमंत्री)

24. **राजेन्द्रसिंह यादव :** हायर एजुकेशन, योजना (स्वतंत्र प्रभार), गृह राज्य मंत्री

25. **सुभाष गर्ग :** तकनीकी शिक्षा, आयुर्वेद (स्वतंत्र प्रभार) अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री

26 **सुखराम विश्नोई :** श्रम (स्वतंत्र प्रभार) राजस्व राज्य मंत्री

27 **बृजेन्द्र ओला :** ट्रांसपोर्ट एंड रोड सेफ्टी (स्वतंत्र प्रभार)

28. **मुरारीलाल मीणा :** एग्रीकल्चर मार्केटिंग, स्टेट (स्वतंत्र प्रभार), टूरिज्म, सिविल एविएशन (राज्य मंत्री)

29. **राजेन्द्रसिंह गुढ़ा :** सैनिक कल्याण, होम गार्ड एंड सिविल डिफेंस (स्वतंत्र प्रभार), पंचायती राज व रूरल डवलपमेंट (राज्य मंत्री)

30. **जाहिदा खान :** विज्ञान एवं तकनीकी (स्वतंत्र), प्रिंटिंग एण्ड स्टेशनरी (स्वतंत्र), शिक्षा (प्राथमिक एवं माध्यमिक), कला साहित्य संस्कृति एवं एएसआई

मारुति सुजुकी की न्यू जेनरेशन सेलेरियो लॉच

उदयपुर। ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी द्वारा अपनी न्यू जेनरेशन सेलेरिया कार उदयपुर स्थित मारुति सुजुकी की अधिकृत डीलरशिप नवनीत मोटर्स के शोरूम पर लॉच की गई। बैंक ऑफ बड़ौदा के अनिल माहेश्वरी ने न्यू सेलेरियो कार को लांच किया गया। नवनीत मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एलएन माथुर, डायरेक्टर प्रियांक माथुर, जनरल मैनेजर मोहम्मद खान आदि मौजूद थे। माथुर ने बताया कि नई सेलेरियो में 12 से अधिक सिक्यूरिटी फीचर हैं, जिसमें ऑटोमेटिक गियर शिफ्ट वेरिएंट भी हैं। यह हार्टेक्ट प्लेटफार्म पर बनी है, जो अलग डिजाइन, एडवांस टेक्नोलॉजी, अपलिफ्ट परफॉर्मेंस और बेहतर ड्राइवर एक्सपीरियंस देने वाली हैचबेक सेगमेंट की कार है।

चिंतामणि क्लासेज ने मनाया स्थापना दिवस

उदयपुर। चिंतामणि कोचिंग क्लासेज ने 8वां स्थापना दिवस उल्लास से मनाया। इस

अवसर पर रीट टॉपर्स अजय वैष्णव सहित प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेन्द्रसिंह शक्तावत मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहीं और प्रतिभाओं को सम्मानित किया। रीट-2021 में कोचिंग क्लासेज के 70 से अधिक छात्रों ने 150 में से 130 अंक हासिल किए। इन सभी का भी सम्मान किया।

मिसेज इंडिया निधि का सम्मान

उदयपुर। मिसेज इंडिया 2021-22 निधि आनंद पुनमिया ने लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ से भेंट की। इस दौरान मेवाड़ ने निधि का सम्मान किया और मिसेज इंडिया 2021-22 बनकर उदयपुर एवं मेवाड़ का गौरव बढ़ाने पर शुभकामनाएं दी।

मेवाड़ पॉलिटैक्स को बेस्ट एम्पॉयर 2021 अवार्ड

उदयपुर। एम्पलॉयर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की मेजबानी में हुए बेस्ट एम्पलॉयर

अवार्ड 2021 में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एवं स्पीकर राजस्थान विधानसभा डॉ. सी.पी. जोशी ने बेस्ट एम्पलॉयर 2021 अवार्ड मेवाड़ पॉलिटैक्स लिमिटेड के निदेशक बी.एच. बापना को दिया। यह अवार्ड मेवाड़ पॉलिटैक्स कंपनी के उत्कृष्ट कार्य, एम्पलाई रिलेशन्स, सीएसआर के सराहनीय कार्य, एम्लाइज सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, प्रभावी उत्पादकता स्तर, कर्मचारी कौशल विकास जैसे प्रोत्साहित कार्यों की श्रेणी में दिया गया है।

कुलपति के जन्मदिवस पर रूद्राभिषेक-पौधरोपण

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत जन्म दिवस पर विद्यापीठ के तीनों परिसरों में समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। महादेव मंदिर में रूद्राभिषेक व पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यापीठ के निष्ठावान, समर्पित, ईमानदार कार्यकर्ता ही संस्था की पूंजी व अभिमान हैं। रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, डॉ. संजय बंसल, डॉ. भवानीपाल सिंह, प्रो. मंजू मांडोत, प्रो. अनिता शुक्ला, प्रो. सुमन पामेचा, प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. अमिया गोस्वामी, डॉ. अर्पणा श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

वेलावत दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष

उदयपुर। सकल दिगम्बर जैन समाज के चुनाव में शांतिलाल वेलावत को सर्वसम्मति से तीन वर्ष के लिए पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्रचार मंत्री पारस चित्तौड़ा ने बताया कि अध्यक्ष के लिए प्रस्ताव सुरेश चन्द्र पद्मावत, सुमतिलाल दुदावत, सेठ शांतिलाल नागदा, अशोक गोधा, सुरेश वगेरिया, जय कारवां, जनक राज सोनी, रोशन गदावत, वीरेंद्र नफावत, देवेन्द्र छाप्या ने रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कानावत का सम्मान

उदयपुर। निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस सचिव व प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने अरविंदसिंह कानावत डिप्टी टाउन प्लानर (डीटीपी) का मेवाड़ी पगड़ी व उपरना पहनाकर एवं श्रीनाथ जी की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. राजकमल जैन, डॉ. संदीप गर्ग, प्रदीप भंडारी एवं सेवाराम सैनी भी उपस्थित थे।

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

Deepak Bordia
Chartered Engineer, M.I.E., F.I.V.
Approved Valuer

BORDIA & ASSOCIATES

ARCHITECTURAL DESIGNER,
PLANNER & BUILDER EXECUTE
ALL KIND OF CIVIL ENGINEERING WORKS

211, Shubham Complex 11-A New Fatehpura, Near Sukhadia Circle,
Udaipur - 313 001 (Raj.) e-mail: deepakbordia@yahoo.com
Mob.: 94141-65465, Ph.: 2419465 (O), 2524202 (R)

पेगासस स्पाईवेयर जासूसी मामले में जांच

केन्द्र की दुहाई और दलीलों को सुप्रीम कोर्ट का झटका

गौरव शर्मा

देश की राजनीति में तहलका मचा देने वाले पेगासस जासूसी मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा 27 अक्टूबर को गठित तीन सदस्यों की समिति ने त्वरित गति से जांच शुरू कर दी है। जांच समिति के तीनों सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ हैं। समिति पूरे मामले की हर कोण से जांच करेगी और जल्द ही अदालत को रिपोर्ट देगी। जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज न्यायमूर्ति आर वी रवींद्रन करेंगे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए न्यायमूर्ति रवीन्द्रन को व्यापक अधिकार दिए गए हैं, ताकि परत दर परत जांच में कोई बाधा पैदा न हो और सच्चाई देश के सामने लाई जा सके। पेगासस मामले से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में सरकार को जांच समिति बनाने की इजाजत नहीं दी। सरकार ने अनुरोध किया था कि जासूसी मामले में आरोपों की जांच के लिए केन्द्र को विशेषज्ञ समिति बनाने की अनुमति दी जाए, लेकिन अदालत ने सरकार का अनुरोध यह कहते हुए ठुकरा दिया कि ऐसा करना पक्षपात के खिलाफ स्थापित न्यायिक सिद्धांत के उलट होगा। शीर्ष अदालत ने जांच समिति से अपनी रिपोर्ट जल्दी से जल्दी दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई दिसम्बर के अंतिम सप्ताह अथवा जनवरी 2022 के प्रारंभ में होगी।

मीडिया समूहों के एक इंटरनेशनल कॉन्सर्शियम की ओर से करीब चार महीने पहले आई इस रिपोर्ट ने दुनिया भर में हलचल मचा दी थी कि इस्राइली कंपनी एनएसओ ग्रुप के फोन हैकिंग सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिये विभिन्न देशों

में नागरिकों की जासूसी कराई गई। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इसके जरिये भारत में पचास हजार लोगों के फोन को निशाना बनाया गया। इनमें न केवल नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और बिजनेसमैन बल्कि जिम्मेदार और संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी थे। मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि एनएसओ ग्रुप ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह उपकरण प्राइवेट पार्टियों को नहीं बेचा जाता, सिर्फ सरकारों को दिया जाता है क्योंकि इसका मकसद आतंकवाद जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद करना है। इसके बाद स्वाभाविक रूप से भारत में भी सबका ध्यान सरकार की ओर गया। संसद में भी सवाल उठा और सरकार से इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की गई। मगर सरकार आरोपों के खंडन से आगे नहीं बढ़ी। उसने देश की सुरक्षा का मामला बताते हुए इसमें ज्यादा कुछ कहने से भी इनकार कर दिया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भी कोर्ट के आग्रह के बावजूद सरकार ने न तो विस्तृत हलफनामा दायर किया और न ही स्पष्ट तौर पर यह कहने के लिए तैयार हुई कि उसके किसी

> ‘प्रेस की आजादी लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तम्भ है और पेगासस मामले में अदालत का काम पत्रकारीय सूत्रों की सुरक्षा के महत्व के लिहाज से अहम है। वह सच का पता लगाने और आरोपों की तह तक जाने के लिए मामले को लेने के लिए बाध्य है’
>
> – **सुप्रीम कोर्ट**

समिति से अपेक्षाएं

- ■ अदालत ने समिति से अपनी रिपोर्ट व्यापक जांच पड़ताल के बाद यथाशीघ्र अदालत में देने को कहा है।
- ■ जांच समिति को बताना होगा कि पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल देश के नागरिकों की जासूसी के लिए किया गया था या नहीं। जासूसी के पीड़ितों का विवरण भी समिति जुटाएगी।
- ■ देश के नागरिकों के वाट्सऐप खातों की हैकिंग की 2019 में छपी खबरों के बाद केन्द्र ने क्या कदम उठाए।
- ■ क्या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी ने भारत के नागरिकों के खिलाफ निगरानी के लिए पेगासस का इस्तेमाल किया था।
- ■ समिति यह भी देखेगी कि किसी सरकारी एजेंसी ने भारतीय नागरिकों के खिलाफ पेगासस का अगर कोई इस्तेमाल किया था तो किस कानून, नियम, निर्देश, प्रोटोकॉल या विधिक प्रक्रिया का इसके लिए सहारा लिया गया था।
- ■ क्या देश के नागरिकों के खिलाफ ऐसे स्पाईवेयर का इस्तेमाल किसी घरेलू व्यक्ति द्वारा किया जाना अधिकृत है या नहीं।
- ■ समिति कुछ मुद्दों पर अपनी सिफारिश और सुझाव भी देगी। मसलन निगरानी की प्रक्रिया के मौजूद कानून में किसी बदलाव की जरूरत है या नया कानून बनाने की जरूरत है ताकि निजता के अधिकार की बेहतर सुरक्षा हो सके।

विभाग ने पेगासस खरीदा है या नहीं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह कहना बहुत महत्वपूर्ण है कि सरकार हर मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ लेकर नहीं बच सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पेगासस से जासूसी की शिकायत करते दायर की गई 12 याचिकाओं पर दिया, जिसमें स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं में पूर्व केन्द्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा, माकपा सांसद जॉन ब्रिटास, सुप्रीम कोर्ट के वकील एमएल शर्मा, एडिटर्ड गिल्ड ऑफ इंडिया और कई पत्रकार शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि सरकार को पेगेसस के गैर कानूनी इस्तेमाल का ब्यौरा देने के लिए बाध्य किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की दुहाई देने मात्र से न्यायालय मूक दर्शक बना नहीं रह सकता। इसे हौवा नहीं बनाया जा सकता। जिसका जिक्र होने मात्र से न्यायालय खुद को मामले से दूर कर लें।

इस साल जुलाई में जब यह मामला सामने आया तो हंगामा होना स्वाभाविक था। विपक्ष ने सरकार से संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करवाने की मांग की। लेकिन सरकार ने नहीं करवाई। बल्कि सरकार यह कहती रही कि उसने ऐसी कोई जासूसी नहीं करवाई। सरकार यह स्वीकार करने से भी बचती रही कि उसने इस जासूसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया।

पीठ ने कहा कि भारत सरकार को उन तथ्यों को साबित करना चाहिए जो इंगित करते हैं कि मांगी गई जानकारी को गुप्त रखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका सार्वजनिक होना राष्ट्रीय सुरक्षा के सरोकारों को प्रभावित करेगा। उन्हें उस रूख को सही ठहराना चाहिए जो वे एक अदालत के सामने रखते हैं। केन्द्र सरकार का अस्पष्ट और सर्वव्यापी इनकार पर्याप्त नहीं है। अदालत की निगरानी में होने वाली जांच से सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। पेगासस सॉफ्टवेयर केवल सरकारों को ही उपलब्ध कराया जाता है तो मामला स्वतः ही सवालों के घेरे में आ जाता है। ऐसे में निष्पक्ष जांच जरूरी बन जाती है और उम्मीद की जानी चाहिए कि देश को इस मामले की सारी सच्चाई का शीघ्र पता चलेगा।

जांच समिति के सदस्य

जस्टिस आरवी रवींद्रन: जस्टिस रह चुके रवींद्रन 2011 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए। वह एमपी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। उन्होंने ओबीसी आरक्षण ,1993 मुंबई बम ब्लास्ट व अन्य हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई की है।

आलोक जोशी: आलोक जोशी 1976 बैंच के हरियाणा कैडर के रिटायर्ड आइपीएस अधिकारी हैं। वह रॉ के चीफ भी रह चुके हैं। वे पेगासस मामले की जांच में जस्टिस रवींद्रन की मदद करेंगे।

डॉ. संदीप ओबरॉय: संदीप ओबरॉय जाने–माने आइटी और साइबर एक्सपर्ट हैं। उन्होंने आइआइटी बॉम्बे से पीएचडी की है। वे इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्टैंडर्डाइजेशन सब कमेटी के चैयरमैन हैं।

टेक्निकल कमेटी में ये हैं

डॉ. नवीनकुमार चौधरी: गांधीनगर नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के डीन है। चौधरी साइबर और डिजिटल फॉरेंसिक्स के एक्सपर्ट हैं, उन्हें इस क्षेत्र में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है।

डॉ. प्रभाकरन पी: केरल स्थित अमृत विश्व विद्यापीठम में प्रोफेसर हैं। वह मालवेयर डिटेक्शन, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चरल सिक्यॉरिटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जानकार हैं।

डॉ. अश्विन अनिल गुमस्ते: अमरीकी प्रतिष्ठित मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक रह चुके हैं। अमरीका में उनकेनाम 20 से ज्यादा पेटेंट्स हैं। गुमस्ते के 150 से ज्यादा रिसर्च प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रत्यूष

कैसा लगा यह अंक

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

pankajkumarsharma2013@gmail.com

कबड्डी का जुनून : सचिन तंवर

देश के पांच सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल

अभिजय शर्मा

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के बड़बर गांव के रहने वाले सचिन तंवर राजस्थान पुलिस में उप अधीक्षक हैं। कबड्डी के जुनून में देश के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। वे प्रो कबड्डी लीग में पटना की टीम के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्हें 84 लाख में खरीदा गया है। कबड्डी से लगाव के चलते वे 10वीं में फेल हुए, लेकिन जुनून कम नहीं हुआ। आज यही सचिन देश के पांच सबसे महंगे कबड्डी खिलाड़ियों में शामिल हैं।

दरअसल, सचिन के मामा कबड्डी खिलाड़ी रह चुके हैं। मामा को देखकर ही उन्हें कबड्डी खेलना भाने लगा। बचपन में स्कूल की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गांव में लगने वाले मेलों में सचिन ने कबड्डी में दांव-पेच लगाकर विरोधी टीमों को पछाड़ा । इस दौरान कई बार स्कूल छोड़कर सचिन कबड्डी खेलने गए, इसके लिए वे हरियाणा तक पहुंच जाते थे। अपने कबड्डी के जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। अब वे प्रो कबड्डी के स्टार खिलाड़ी हैं।

सचिन के मामा हरियाणा में राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी रह चुके हैं। उनके माता-पिता खेती बाड़ी का काम करते हैं।

सचिन के बड़े भाई दीपक भी कबड्डी खिलाड़ी हैं। वह राजस्थान पुलिस में हैं। सचिन जब दो वर्ष के थे तभी से वह अपने भाई के पास रह रहे थे। बड़े भाई ने उनको 15 साल तक अपने पास रखा। इसके बाद वह जयपुर चले गए। सीजन छह की नीलामी में गुजरात ने उन्हें 56 लाख रुपए में खरीदा। इसके बाद सातवें सत्र में भी गुजरात फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे, लेकिन इस बार उनकी टीम ने उन्हें 78 लाख रुपए में खरीदा था। सीजन आठ में सचिन पटना पाइरेट्स के लिए खेलेंगे।

सचिन तंवर ने अभी तक प्रो कबड्डी लीग में सिर्फ गुजरात के लिए ही मैच खेले हैं। इस सीजन की नीलामी में पटना पाइरेट्स ने 84 लाख की रकम में उन्हें खरीदा। पिछले सीजन में गुजरात के लिए उन्होंने 84 प्वॉइंट हासिल किए थे।

रेडिंग का काफी जिम्मा अब सचिन तंवर के कंधों पर भी होगा। उन्हें मोनू गोयत जैसे दिग्गज रेडर का साथ मिलेगा। परदीप नरवाल प्रो कबड्डी के सबसे महंगे खिलाड़ी है, जिन्होंने पटना पाइरेट्स को लगातार तीन सीजन पीकेएल का खिताब जिताया। अब प्रदीप की जगह संदीप लेंगे। ऐसे में पटना पाइरेट्स को खिताब जिताना, कहीं न कहीं संदीप के कंधों पर ही होगा। इस बार प्रदीप को यूपी योद्धा ने 1.65 करोड़ रुपए में खरीदा हैं, जो प्रो कबड्डी लीग की अब तक की सबसे बड़ी बोली है।

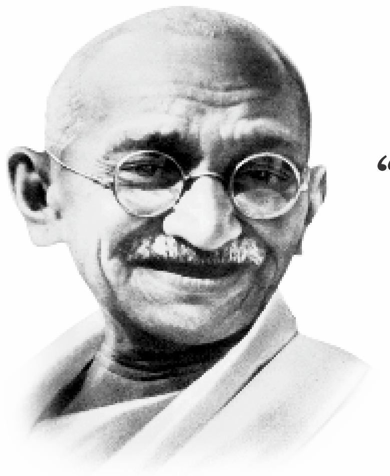

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

"जब कभी आप दुविधा में हों या आपको अपना स्वार्थ प्रबल होता दिखाई दे तो यह नुस्ख़ा आज़मा कर देखिएगा। अपने मन की आंखों के सामने किसी ऐसे गरीब और असहाय व्यक्ति का चेहरा लाइए जिसे आप जानते हों और अपने आप से पूछिए कि क्या आपकी करनी उसके किसी काम आएगी? क्या उसे कुछ लाभ होगा? क्या उस काम से उसे अपना जीवन और भविष्य बनाने में कुछ मदद मिलेगी? बस इतना सोचते ही आपकी सारी दुविधाएं दूर हो जाएंगी।"

–महात्मा गांधी

प्रदेश के जन–जन के हित में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर

2 अक्टूबर, 2021 से शुभारम्भ

प्रशासन शहरों के संग अभियान

2 अक्टूबर, 2021 से 31 मार्च, 2022

अभियान की विशेषताएं

- 10 लाख पट्टा वितरण का लक्ष्य
- राहत के लिए विभिन्न नियमों एवं प्रावधानों का सरलीकरण
- आवेदन की तकनीकी सहायता हेतु स्वैच्छिक नगर मित्र की सुविधा
- कार्यों के शीघ्र निस्तारण के लिए निकाय स्तर पर एम्पावर्ड कमेटी का गठन कर शक्तियों का प्रत्यायोजन
- नागरिकों की सहायता हेतु हैल्पडेस्क नम्बर 18001806127
- 213 नगरीय निकाय, 3 विकास प्राधिकरण, 14 नगर सुधार न्यास, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, बीडा सहित 8 विभाग होंगे शामिल

प्रशासन गांवों के संग अभियान

2 अक्टूबर, 2021 से 17 दिसम्बर, 2021

अभियान की विशेषताएं

- प्रत्येक ग्राम पंचायत पर शिविरों का आयोजन
- कार्यों की सुगमता के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को शक्तियों का प्रत्यायोजन
- अभियान की प्रत्येक स्तर पर सतत् मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण
- शिविरों में ई–मित्र केन्द्रों पर सभी सुविधाएं **निःशुल्क**

"राज्य सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है **'प्रशासन गांवों और शहरों के संग अभियान–2021'** जिसके माध्यम से आमजन से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अभियान के लिए जटिलताओं को दूर करते हुए विभिन्न नियमों का सरलीकरण किया गया है। जिससे वर्षों से लंबित कार्यों के पूर्ण होने में सुगमता होगी। इस अभियान के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

अभियान अवधि के दौरान राज्य सरकार द्वारा दी जा रही शिथिलताओं का लाभ उठायें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

अफगानिस्तान : नस्ली विविधता तालिबान के लिए चुनौती

उमेश शर्मा

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद प्रशासनिक ढांचा लगभग ध्वस्त हो चुका है। इसके साथ ही मानवीय और आर्थिक संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं। जो हालात बने हैं, जिस तरह व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उन्हें पटरी पर लाना तो तालिबान के लिए चुनौती है ही, उससे भी बड़ी चुनौती नस्लीय विविधता में समन्वय कर स्थिर सरकार चलाना है।

अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान की वापसी ने पूरे विश्व को हिला रखा है। चीन, पाकिस्तान, रूस और ईरान ये चार देश अभी तालिबान के पक्ष में दिख रहे हैं और इस कट्टरपंथी संगठन के शासन को मान्यता देने की वकालत कर रहे हैं, लेकिन वे भी फूंक–फूंक कर कदम उठा रहे हैं। तालिबान के नेता अब खुलकर कह रहे हैं कि अफगानिस्तान में शरिया शासन व्यवस्था लागू की जाएगी। वहां अफरा–तफरी है और लोग पलायन कर रहे हैं। शरणार्थी समस्या बढ़ रही है, जिसका सीधा असर पड़ोसी मुल्कों पर दिख रहा है। तालिबानी शासन व्यवस्था में किस तरह के संबंध अफगानिस्तान के साथ रखे जाएं– इस सवाल पर दुनियाभर के राजनयिक मंथन में जुटे हैं।

भारत के सामने अहम सवाल है कि वह तालिबान शासन के साथ कैसे संबंध रखें। काबुल पर तालिबान के कब्जे से पहले कहा गया कि बंदूक के दम पर सत्ता का समर्थन नहीं किया जाएगा। अब हालात बदल गए हैं। सामरिक मामलों के जानकारों की राय में भारत को अभी जल्दबाजी नहीं दिखानी चाहिए। तालिबान से भारत को दोहरा नुकसान है। जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा जैसे भारत विरोधी आतंकी संगठनों की गतिविधियों का केन्द्र अफगानिस्तान रहा है। दूसरे, अफगानिस्तान में चीन और पाकिस्तान जैसे भारत–विरोधी देशों की सक्रियता है। ये दोनों ही देश अफगानिस्तान में भारत का प्रभाव कम करने और अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में जुट गए हैं। चीन की ओर से अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता देना इस दिशा में पहला बड़ा कदम है। फिलहाल, भारत ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

अफगानिस्तान में नस्ली विविधता एक सदी से भी अधिक समय से राजनीति और संघर्ष के केन्द्र में रही है। तालिबान के सामने इन सभी जातियों को साधना बड़ी चुनौती है। अफगानिस्तान की चार करोड़ आबादी में किसी भी जातीय समूह के पास निर्णायक बहुमत नहीं है। यही कारण है कि यहां राजनीतिक स्थिरता बहुत बड़ी चुनौती रही हैं पिछले साल अल्पसंख्यक अधिकार समूह इंटरनेशनल के पीपुल्स अंडर थ्रेट इंडेक्स में अफगानिस्तान दुनिया का चौथा सबसे खतराक देश था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि सभी नस्लीय समूहों को देश में हिंसक दमन और सामूहिक हत्याओं के जोखिम का सामना करना पड़ता है।

चार बड़े नस्ली समूह

1. उज्बेक : तालिबान का दुश्मन एआर दोस्तम

अफगानिस्तान में 10 फीसदी आबादी उज्बेक नस्ल के लोगों की है। ये सुन्नी हैं। चर्चित उज्बेक लोगों में अब्दुल रशीद दोस्तम का नाम शामिल है। दोस्तम नॉर्दन अलायंस का हिस्सा रह चुके हैं। नॉर्दर्न अलायंस ने 2001 में अमेरिकी हमले के समय तालिबान को देश से भगाने में मदद की थी। दोस्तम गनी प्रशासन में उपराष्ट्रपति भी बने।

2. पश्तून : 18वीं सदी से सियासत में

पश्तून अफगानिस्तान का सबसे बड़ा जातीय समूह है। सुन्नी हैं और पश्तो भाषा बोलता है।

सबसे अधिक 42 फीसदी आबादी होने के कारण राजनीति में 18वीं शताब्दी से इसका दबदबा है। तालिबान भी पश्तून वर्चस्व वाला समूह है। दो पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अशरफ गनी भी पश्तून हैं।

3. हजाराः हिंसा, दमन और भेदभाव का शिकार रहा

हजारा मध्य एशियाई और तुर्की मूल के माने जाते हैं। महज 10 फीसदी आबादी वाला यह समूह मुख्य रूप से मध्य अफगानिस्तान में है। ये शिया मुस्लिम हैं और दारी भाषा बोलते हैं। एक सदी से यह समूह हिंसा, दमन और भेदभाव का शिकार रहा है। उन्होंने हाल के दशकों में नरसंहारों का भी सामना किया है। लेकिन विशेष रूप से तालिबान शासन में यह चरम पर होता है। अफगानिस्तान में सक्रिय अन्य आतंकियों जैसे इस्लामिक स्टेट समूहों ने भी घातक बम हमलों के साथ हजारा को निशाना बनाया है। इनके स्कूलों और अस्पतालों को भी नहीं बख्शा।

4. ताजिकः पंजशीर के लड़ाके इसी समूह से

अफगानिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। पंजशीर में तालिबान को चुनौती दे रहे लड़ाके इसी समूह से हैं। मुख्य भाषा फारसी की एक बोली है जिसे दारी कहा जाता है। मुख्य रूप से देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में मौजूदगी है। पंजशीर घाटी का ताजिक समूह ही तालिबान से टक्कर ले रहा है। इसके अलावा पश्चिमी हेरात और कुछ उत्तरी प्रांतों में भी ये रहते हैं। बदख्शां प्रांत के ताजिक बुरहानुद्दीन रब्बानी 1992 से 1996 तक अफगानिस्तान के राष्ट्रपति रह चुके हैं। इसके अलावा मुख्य शांति वार्ताकार अब्दुल्ला अब्दुल्ला भी पश्तून ताजिक हैं। लेकिन वह ताजिक मूल से ज्यादा जाने जाते हैं।

क्या कहते हैं जानकार

अफगानिस्तान में भू–राजनीतिक पुनर्गठन के कारण चीजें पूरी तरह उलट–पलट हो सकती है। चीन और पाकिस्तान एक दूसरे के सहारे एक दूसरे का हाथ पकड़ कर अफगानिस्तान जाना चाहेंगे। लेकिन आशंका है कि चीन वे गलतियां दोहराएगा, जो पहले विश्व शक्तियां कर चुकी है। रूस और ईरान अपने पुराने अनुभवों के आधार पर सावधानी बरत रहे हैं।

गौतम मुखोपाध्याय,
भारत के पूर्व राजदूत

पश्तूनों के नेतृत्व वाले तालिबान ने कभी भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा को मान्यता ही नहीं दी और यह पाकिस्तान के लिए परेशानी का सबब रहा है। हालांकि, अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान के हाथ में होना भारत के खिलाफ पाकिस्तान को रणनीतिक मजबूती प्रदान कर रहा है। भारत के लिए ये बुरे और अधिक बुरे के बीच चुनाव का वक्त है।

जितेन्द्र नाथ मिश्रा,
पूर्व राजनयिक

खनिज भंडार

1. अफगानिस्तान में कई तरह के खनिज हैं, जिनकी कीमत करीब 74 लाख करोड़ रुपए आंकी गई हैं। चीन वहां खनन में निवेश कर चुका है।
2. यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) की जनवरी की एक रिपोर्ट के अनुसार खनिजों में बॉक्साइट, तांबा, लौह अयस्क, लिथियम आदि है।
3. अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2040 तक दुनिया में लिथियम की मांग 40 गुना बढ़ने की उम्मीद है। पुस्तक द रेयर मेटल्स वॉर के लेखक गिलाउम पिट्रोन के मुताबिक, अफगानिस्तान लिथियम के एक विशाल भंडार पर बैठा है, जिसका आज तक दोहन नहीं किया गया है।
4. अफगानिस्तान में नियोडियम, प्रेजोडियम और डिस्प्रोसियम आदि रेयर अर्थ मेटल भी है जिनका उपयोग स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में किया जाता है।

तकनीक

चीन ने बनाया सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर

चीन ने दावा किया है कि उसने दुनिया का सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर बना लिया है। यह विश्व में सबसे तेज कम्प्यूटर की तुलना में 10 लाख गुना ज्यादा शक्तिशाली है। उसके वैज्ञानिकों के अनुसार इसकी मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भौतिक विज्ञान में उपलब्धि हासिल होगी।

हर कार्य में सक्षम

ये कम्प्यूटर वह हर चीज करने में सक्षम हैं जिसकी इंसान कल्पना भी नहीं कर सकता। चीन के नेशनल सुपर कम्प्यूटर सेंटर ने एक्साफ्लॉप नामक इस क्वांटम कम्प्यूटर का निर्माण किया है।

दुनिया से छिपाकर रखा

वैज्ञानिकों ने कहा कि हमारा लक्ष्य पूरा हो गया है। हमारे कम्प्यूटर जूचोंगझी ने जिस काम को मात्र 1.2 घंटे में पूरा किया, उसे दुनिया के सबसे तेज कम्प्यूटर को पूरा करने में कम से कम 8 साल लग जाते। चीनी वैज्ञानिकों ने कई साल तक इस कम्प्यूटर को दुनिया से छिपाकर रखा और कहा कि वे दुनिया के किसी भी सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर की तुलना में 100 ट्रिलियन गुना ज्यादा तेजी से गणना करने में सक्षम हैं।

क्या होते हैं क्वांटम कम्प्यूटर

क्वांटम कम्प्यूटर ब्रह्माण्ड के सबसे छोटे पार्टिकल का इस्तेमाल करते हैं ताकि वे क्वांटम की अवस्था को पा सकें। इस अवस्था में आने पर प्रोसेसर भी ठीक उसी समय में एक और जीरो पर काम करते हैं। इससे वे बहुत तेजी और आसानी से काम कर पाते हैं।

सी-295 से बदलेगी वायुसेना की तस्वीर

मोहन गौड़

अग्नि-5 का भी सफल परीक्षण, 5000 किमी तक मार करने में सक्षम स्पेन की कम्पनी से 20 हजार करोड़ रुपए की लागत से 56 मालवाही विमान खरीदने के सौदे को रक्षा मंत्रालय ने मंजूरी दी है। इनमें से 16 विमान स्पेन से बनकर आएंगे, जबकि 40 का निर्माण स्पेनिश कम्पनी से सहयोग से भारत में ही टाटा समूह की कम्पनी करेगी। यह खरीद 'मेक इन इंडिया' परियोजना का हिस्सा है।

देश में पहली बार निजी कम्पनी बना रही है सेना के लिए विमान। टाटा समूह और स्पेन की एअरबस डिफेंस एंड स्पेस के साझा उपक्रम में वायुसेना के लिए सी-295 मालवाही विमान बनाए जाएंगे। पिछले दिनों रक्षा मंत्रालय ने इस सौदे की घोषणा की। लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की लागत से खरीदे जाने वाले ये विमान वायुसेना के एवरो 746 की जगह लेंगे। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' का हिस्सा हैं।

आठ सितम्बर को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की बैठक में इन विमानों को खरीदने की अनुमति दी गई। भारत स्पेन से कुल 56 सी-295 विमान खरीदेगा। इनमें से 16 विमान स्पेन से लाए जाएंगे। बाकी 40 को अगले दस साल में देश में ही बनाया जाएगा। देश में बनने वाले विमानों को टाटा समूह की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स बनाएगी। जिसे स्पेन की कम्पनी एयरबस डिफेंस एण्ड स्पेस से मदद मिलेगी। दावा किया जा रहा है कि इससे 15 हजार उच्चस्तरीय नौकरियां पैदा होंगी। इसके साथ ही 10 हजार लोगों को परोक्ष रोजगार मिलेगा।

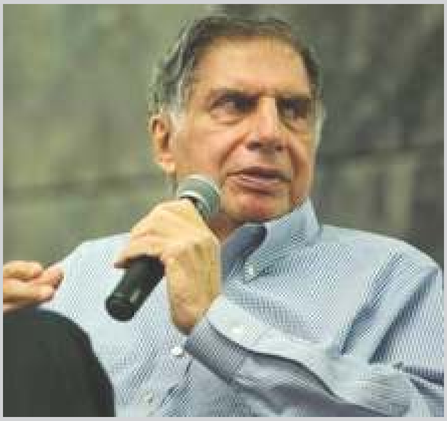

विशेषता

यह विमान अपने साथ 7050 किलोग्राम का पेलोड उठा सकता है। एक बार में अपने साथ 71 सैनिक या पांच कार्गो पैलेट को ले जा सकता है। 11 घंटे तक उड़ान भर सकता है। क्रू केबिन में टच स्क्रीन कंट्रोल के साथ स्मार्ट कंट्रोल सिस्टम से लैस है। विमान में रैंप डोर है, जो लोडिंग-ड्रॉपिंग के लिए ज्यादा सुविधाजनक है।

टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा ने इस सौदे को देश के उड्डयन उद्योग और उड्डयन परियोजनाओं के लिए बड़ा कदम बताया है। ये विमान कम दूरी के रनवे से उड़ सकते हैं और छोटे रनवे पर उतर सकते हैं। कम्पनी का कहना है कि यह विमान 320 मीटर की दूरी में ही उड़ान भर सकता है, वहीं उतरने के लिए 670 मीटर की लम्बाई काफी है। पहाड़ी इलाकों में अभियान के दौरान विमान की यह खासियत महत्वपूर्ण है।

ये विमान एवरो एयरक्राफ्ट की जगह लेंगे। वायुसेना के पास 56 एवरो ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट हैं, जो उसने 1960 के दशक में खरीदे थे। इन्हें तत्काल बदले जाने की जरूरत है। इसके लिए मई 2013 में कम्पनियों को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) भेजा गया था। मई 2015 में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने टाटा समूह और एयरबस के सी-295 विमानों को टेंडर को मंजूरी दी थी। सी-295 विमानों से भारत के रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि भारत में बड़ी संख्या में पुर्जों और अन्य उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। इन विमानों की आपूर्ति होने के बाद भारत में सी-295 विमानों के लिए मरम्मत एवं रखरखाव की सुविधा स्थापित करने की योजना है। यह सुविधा सी-295 विमान के विभिन्न प्रारूपों के लिए एक क्षेत्रीय हब के रूप में कार्य करेगी।

माना जा रहा है कि वायुसेना में शामिल होने के बाद इन्हें समुद्री रास्तों पर भी तैनात किया जा सकता है, जो इस सेक्टर में एएन-32 की जगह लेंगे। भारत के पास करीब सौ से ज्यादा एएन-32 सेवा में हैं। सेना इन्हें भी रिप्लेस करने की तैयारी में है।

कई टारगेट एक ही बार में ध्वस्त

भारतीय सेना ने 27 अक्टूबर को एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सतह से सतह पर वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। इससे भारतीय सेना की ताकत और ज्यादा बढ़ गई है। इस परीक्षण से चीन से लेकर पाकिस्तान तक सभी बैचेन हैं। अग्नि-5 के बारे में कहा गया है कि इसकी मारक क्षमता 5000 किलोमीटर रहने वाली है। इसके इंजन की तीन चरण वाले ठोस इंधन से बनाया गया है। ऐसे में इसकी क्षमता और सटीकता दूसरी मिसाइलों की तुलना में ज्यादा ही रहने वाली है। अग्नि -5 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का वजन 50 हजार किलोग्राम है। यह 17.5 मीटर लंबी है। इसका व्यास 2 मीटर यानी 6.7 फीट है। इसके ऊपर 1500 किलोग्राम वजन का परमाणु हथियार लगाया जा सकता है। इस मिसाइल में तीन स्टेज के रॉकेट बूस्टर हैं जो सॉलिड फ्यूल से उड़ते हैं। इसकी ध्वनि गी गति से 24 गुना ज्यादा है। यानी एक सैकंड में 8.16 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस सब के अलावा इसकी एमआईआरवी तकनीक भी काफी खास है जिस वजह से इसके वॉरहेड पर एक की जगह कई हथियार लगाए जा सकते हैं। जिससे मिसाइल एक बार में कई टारगेट ध्वस्त कर सकती है। इस मिसाइल के जरिए पूरे एशिया, यूरोप, अफ्रीका के कुछ हिस्सों तक हमला किया जा सकता है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum
Corporation
Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009®,Mob.: 94141-68720
E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

बेलवन में युगों से तपस्या कर रही हैं - लक्ष्मीजी

राधा की सखी ललिता ने वैकुंठधाम से पधारी लक्ष्मीजी को यह कहकर रास-दर्शन अनुमति देने से इनकार कर दिया कि उनका संबंध 'ऐश्वर्य लीला' के स्थान से हैं, जबकि वृंदावन 'माधुर्यमयी लीला' का स्थल है। इस पर लक्ष्मीजी नाराज हो गई और वृंदावन की ओर मुख करके बैठ गई। रास समाप्ति के बाद ही कृष्ण से उनकी भेंट संभव हुई। उन्होंने वृंदावन को तपस्या के लिए क्यों चुना? बता रहे हैं - पवन गौतम

वृंदावन में यमुना पार स्थित तहसील मांट क्षेत्र के जहांगीरपुर ग्राम का बेलवन लक्ष्मी देवी की तपस्थली है। यहां से यमुना पार मांट की ओर जाने पर, रास्ते में बेलवन आता है। यहां लक्ष्मी माता का भव्य सिद्ध मंदिर है। इस स्थान पर पौष माह में दूर-दराज के असंख्य श्रद्धालु अपनी सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करने आते हैं। इस दौरान यहां प्रत्येक गुरुवार को विशाल मेले का आयोजन होता है।

यहां बेल वृक्षों की भरमार होने से यह स्थान बेलवन के नाम से प्रख्यात हुआ। माना जाता है कि कृष्ण और बलराम यहां अपने सखाओं के साथ गायें चराने आया करते थे। श्रीमद्भागवत में इस स्थान की महत्ता का विशद् वर्णन है। भविष्योत्तर पुराण में भी इसकी महिमा का बखान करते हुए लिखा गया है...

तप सिद्धि प्रदायैवनमोबिल्ववनायच। नार्दन
नमस्तुभ्यंविलवेशायनमोस्तुते।।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, द्वापर युग में एक बार श्रीकृष्ण-राधा 16,108 गोपियों के साथ रासलीला कर रहे थे। जब भगवान श्रीकृष्ण ने रास के दौरान बांसुरी बजाई तो उसकी आवाज देवलोक तक पहुंची। तब महालक्ष्मी ने नारदजी से पूछा कि यह मधुर ध्वनि कैसी है। तो नारद जी बोले कि बेलवन में भगवान श्रीकृष्ण रास में बांसुरी बजा रहे हैं। माना जाता है कि लक्ष्मीजी को भी भगवान श्री कृष्ण की रासलीला के दर्शन की इच्छा हुई। इसके लिए वह सीधे ब्रज जा पहुंचीं। लेकिन गोपिकाओं के अलावा किसी अन्य को इस रासलीला को देखने के लिए प्रवेश की अनुमति नहीं थी। ऐसे में उन्हें ललिता सखी ने यह कह कर दर्शन करने से रोक दिया कि आपका ऐश्वर्य लीला से संबंध है, जबकि वृदांवन माधुर्यमयी लीला का स्थान है। इसके बाद वह नाराज होकर वृंदावन की ओर मुख्य करके बैठ गई और तपस्या करने लगी। इधर भगवान श्रीकृष्ण जब महारास लीला करके थक गए तब लक्ष्मी माता ने अपनी साड़ी से अग्नि प्रज्ज्वलित कर उनके लिए खिचड़ी बनाई। इस खिचड़ी को खाकर भगवान श्रीकृष्ण उनसे अत्यधिक प्रसन्न हुए। भगवान को प्रसन्न देखकर, लक्ष्मी माता ने उनसे ब्रज में रहने की अनुमति मांगी तो श्रीकृष्ण ने उनसे यह कहा कि ये साधारण गोपियां नहीं हैं। इन गोपियों ने हजारों वर्ष तपस्या कर रास में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त किया है। लक्ष्मी जी यदि आपको रास में शामिल होना है तो पहले हजारों वर्ष तपस्या कर गोपियों को खुश करना होगा। इसके बाद आपको रास में शामिल किए जाएगा। यह घटना पौष माह के गुरुवार की थी। कालांतर में इस स्थान पर लक्ष्मी माता का भव्य मंदिर स्थापित हुआ। जिसमें मां लक्ष्मी वृंदावन की ओर मुख किए हाथ जोड़े विराजमान हैं। तभी खिचड़ी महोत्सव आयोजित करने की परम्परा भी चल पड़ी। लक्ष्मी माता मंदिर में खिचड़ी का ही भोग लगाया जाता है। पौष माह के प्रत्येक गुरुवार को जगह-जगह असंख्य भट्टियां चलती हैं। हजारों भक्त-श्रद्धालु सारे दिन खिचड़ी के बड़े-बड़े भंडारे करते हैं। मथुरा से बेलवन मंदिर करीब 22 किमी दूर है। वृंदावन से यमुना पार बेलवन मंदिर की दूरी तीन किलोमीटर है। वृंदावन से यहां नाव के जरिये पहुंचा जा सकता है।

G.L. Kumawat
Director

Reg.No. 366/SH/32(2)

ROYAL
INSTITUTE UDAIPUR

IIT | PMT | JET
ICAR | BHU | NDA

(School + Coaching) For 9th to 12th
(Hindi & English Medium)

Reg.No. 89/Udr/2012-13

Managed by Girdeep Shikshan Sansthan

ROYAL PUBLIC SCHOOL
An English Medium School

School Integrated Program (SIP)
for class IX to XII
(Agriculture, Biology, Maths)

91664-18244 94137-72939 70731-11096
E-mail: royaldefence@gmail.com
www.rgeudaipur.in royaljeticarbhu

Head Office: 57, New Arihant Nagar, Nr. Kalka Mata Mandir, Bekni Pulia, University Road, Udaipur - 313 001

26-A, Shayam Vihar, Kalka Mata Road, Near New RTO Office Udaipur - 313 001

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

महावीर लाल जैन
विनोद जैन

नवकार

नवकार मेटल
7, भांग गली, सूरजपोल अन्दर,
उदयपुर, फोन : 0294 2417354

नवकार स्टील
6, चौखला बाजार, चित्तौड़ा मन्दिर के नीचे,
भोपालवाड़ी, उदयपुर, फोन : 0294 2420579

डीलर : स्टील, पीतल, तांबा, एल्यूमीनियम बर्तन, गिफ्ट आईटम और कुकर पार्ट्स के होलसेल व रिटेल विक्रेता।

संभवनाथ नाम सदा सुखकारी

आचार्य विजय वीरेन्द्र सूरी

धातकी खण्ड के ऐरावत क्षेत्र में क्षेमपुरी नामक नगरी का राजा विमल वाहक था। वह दयालु, प्रजा प्रेमी और न्यायी था। एक बार राज्य में दुष्काल पड़ा। प्रजा भूख से मरने लगी। लोग अन्न के लिए भटकने लगे। भोजन के अभाव में लोग मरने लगे। राजा का मन द्रवित हो गया। प्रजा के कष्ट को वह देख न पाया। प्रजा एवं साधर्मियों की सेवा के लिए उसने अन्न भंडार खोल दिए। सभी की नि:शुल्क सेवा होने लगी। गृह राज्यों और श्रमणों की भी उदार भावना से भक्ति की। अत्यंत निर्मल उदार भावना द्वारा श्रीसंघ और मुनियों की सेवा से उन्होंने तीर्थंकर नाम कर्म का उपार्जन किया।

प्रजा की सेवा करते हुए जब राजा वृद्ध हो गया, तब उसने दीक्षा ग्रहण की। विविध प्रकार की तपस्या करके कर्मों का क्षय किया। समाधि मरण प्राप्त कर वह आनत नामक देवलोक में देव रूप में उत्पन्न हुआ। देवभाव से भटककर वह जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में श्रीवस्ती नगरी का जितारी नामक राजा बना। सेना नामक उनकी महारानी थी।

फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन मृगशीर्ष नक्षत्र में जब चन्द्र का योग था, तब वह देवभव से व्यवकर सेना रानी के गर्भ में उत्पन्न हुआ। प्रभु अश्व लंछन सहित और स्वर्णमय कांति वाले प्रभु। प्रभु जब गर्भ में आए, उस समय राज्य के अन्न भंडार खाली थे, अनाज का अभव था वह अभाव दूर हो गया। असंभव कार्य भी संभव हो गए। अत: जब प्रभु का जन्म हुआ तब उनका नाम संभव कुमार रखा गया। संभवकुमार अत्यंत तेजस्वी व प्रतापी थे। युवावस्था प्राप्त होने पर राजा ने अनेक सुंदर कन्याओं के साथ विवाह किया। तत्पश्चात पिता ने उन्हें राज्य सिंहासन पर विराजित किया। दीक्षा स्वीकार कर आत्मध्यान में लग गए। प्रभु की कामा चार सौ धनुष की थी। चार पूर्वांग अधिक 44 लाख पूर्व वर्ष तक राज्य का परिपालन किया। अपार धन वैभव के बीच भी प्रभु निर्लिप्त रहे। एक वर्ष तक प्रभु ने वर्षीदान दिया।

तत्पश्चात मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा के दिन मार्गशीर्ष नक्षत्र में जब चन्द्र का योग था। प्रभु सिद्धार्थ नाम की पालकी में विराजित होकर सहस्रासु वन में गए। बेले की तपस्या करके दिन के उत्तरार्द्ध में एक हजार राजाओं के साथ दीक्षा धारण की। दीक्षा लेते हुए प्रभु का मन पर्यव ज्ञान प्राप्त हुआ। दीक्षा के दूसरे दिन ही सुरेन्द्र दत्त नामक राजा के यहां खीर से पारणा किया। उन्होंने चौदह वर्ष तक उग्र साधना की। विचरण करते हुए प्रभु पुन: सहस्रासु वन में पधारे। वहां शाल नामक वृक्ष के नीचे काडसग्ग ध्यान में रहे। तब कार्तिक मास की कृष्ण पंचमी के दिन मृगशीर्ष नक्षत्र में चन्द्रयोग में बेले की तपस्या की। उस समय दिन के पूर्वार्द्ध में भगवान ने केवल ज्ञान पाया।

प्रभु के श्री चारू स्वामी आदि एक सौ दो गणधर हुए। चैत्यवृक्ष दो कोस और आठ धनु का था। भगवान का शासन रक्षक देव त्रिमुख यक्ष था। वह तीन सुख तीन क्षेत्र और छह हाथ वाला था। वह श्याम वर्ण वाला और मयूर वाहन युक्त था। उनकी शासनादेवी चार भुजावाली, दूरितारी देवी थी। वह गौर वर्ण वाली बकरा वाहन युक्त थी।

भगवान संभवनाथ के परिवार में दो लाख साधु, तीन लाख छत्तीस हजार साध्वियां, इक्कीस सौ पचास चौदह पूर्वी, नौ हजार छह सौ वैक्रिय लब्धि वाले, बारह हजार एक सौ पचास मन: पर्यविज्ञानी, पन्द्रह हजार केवल ज्ञान, अठारह सौ वैक्रिय लब्धि वाले, बारह हजार वाद लब्धि वाले, दो लाख तिरानवे हजार श्रावक, छह लाख छत्तीस हजार श्रवेकर थी। दीक्षा पर्याय में चार पूर्वांग कम एक लाख पूर्व वर्ष पूर्ण करने वाले चैत्र मास की शुक्ल पंचमी के दिन मृगशीर्ष नक्षत्र में चन्द्र योग में प्रभु को एक मास के उपवास थे। काडसग्ग ध्यान से खड़े हुए उन्होंने अनशन किया। तब एक हजार मुनियों के साथ समेत शिखर पर भगवान ने मोक्ष प्राप्त किया। कुमार अवस्था में प्रभु पन्द्रह लाख पूर्व वर्ष रहे। राजवस्था को चवालीस लाख पूर्व वर्ष तक रहे। चरित्र पर्याय में चार पूर्वांग कम एक लाख पूर्व तक रहे। कुल मिलाकर संभवनाथ भगवान की आयु साठ लाख पूर्व की थी।

प्रस्तुतिः महेन्द्र जैन

त्रिदेव के अंश दत्तात्रेय

दत्तात्रेय भगवान की जयंती 10 दिसम्बर को है। केवल स्मरण करने मात्र से ही दत्तात्रेय अपने भक्तों के पास पहुंच जाते हैं। आदि शंकराचार्य ने कहा है कि - आदौब्रह्मामध्येविष्णुरन्ते देव: सदाशिव:/मूर्तित्रयस्वरूपाय दत्तात्रेयाय नमोस्तुते।। दत्तात्रेयाय नमोस्तुते।। जो आदि में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु तथा अंत में सदाशिव हैं, उन भगवान दत्तात्रेय को बारम्बार नमस्कार है। ब्रह्मज्ञान जिनकी मुद्रा है, आकाश और भूतल जिनके वस्त्र हैं तथा जो साकार प्रज्ञानधन स्वरूप हैं, उन भगवान दत्तात्रेय को बारम्बार नमस्कार है। सती अनुसूया और महर्षि अत्रि के पुत्र दत्तात्रेय के तीन सिर और छह भुजाएं हैं। इनके साथ हमेशा पृथ्वी रूप में गाय व वेद के रूप में चार श्वान रहते हैं। उनके जन्म की कथा बहुत रोचक है। एक बार माता पार्वती, लक्ष्मी और सावित्री जी को अपने पतिव्रत और सद्‌गुणों पर अभिमान हो गया। नारद ने उनका अभिमान तोड़ने के लिए तीनों माताओं को कह दिया कि सती अनुसूया के समान पतिव्रता स्त्री तीनों लोकों में कोई नहीं है। तीनों देवियों ने त्रिदेवों को विवश किया कि वे अनुसूया का पतिव्रत धर्म भंग करें। त्रिदेव ने मुनि रूप धारण कर अत्रि मुनि की कुटी में जाकर भोजन कराने की भिक्षा मांगी। अनुसूयाजी ने भोजन परोसा तो मुनियों ने कहा - आप नग्न होकर भोजन कराओ, तब भिक्षा स्वीकार करेंगे। तब पतिव्रत बल के जरिये तुरंत माता अनुसूया ने त्रिदेवों के छल को जान लिया। उन्होंने पति का स्मरण कर जल त्रिदेव पर उड़ेल दिया। त्रिदेव तुरंत बाल रूप में आ गए। अनुसूया माता ने नग्न हो उन्हें भरपेट दूध पिलाया और पालने में सुला दिया। बहुत दिन बीत गए। त्रिदेव के न लौटने पर माताओं को परेशान देख नारद ने उन्हें सारा सच बताया। तीनों देवियां माता अनुसूया के पास आईं और उनसेक्षमा मांगी। दया कर अनुसूया ने पुन: अपने पति अत्रि के चरण धोये और वही जल तीनों बच्चों पर छोड़ दिया। त्रिदेव अपने पूर्व रूप में आ गए। पुन: त्रिदेव बनने पर तीनों के अंश से देवी अनुसूया के पुत्र रूप में दत्तात्रेय जी का जन्म हुआ।

-पं. भानुप्रताप नारायण मिश्र

Babu Lal Katariya
Proprietor

Prajesh Katariya
Director

HP GAS
SHYAM HP GAS CENTRE

HP
GAS
your friendly gas

18, Hathipole, Khatik Wara,
Near Sabji Mandi,
Udaipur (Raj.)
Telephone: 0294-2413979, 2421482
Mobile: 94141 67979,
9950783379,
98294 09860

सर्दी में सबको भाए सेहतमंद लड्डू

पारम्परिक रूप से ठंड के मौसम में हमारे घरों में कुछ लड्डू सालों से बनते आ रहे हैं। ये न सिर्फ पौष्टिक होते हैं, बल्कि ठंड से शरीर की रक्षा भी करते हैं। इन्हें तैयार करने की विधि बता रही हैं - **कल्पना तिवारी**

गोंद के लड्डू

कितने लड्डू : 19
कुकिंग टाइम : 40 मिनट

सामग्री

आटाः 1–1/4 कप, खाने वाला गोंदः 4 चम्मच, खजूर पाउडरः 1/4 कप, गुड पाउडरः 1/4 कप

विधि

कड़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और उसमें गोंद डालें। जब गोंद पक जाए और क्रिस्पी हो जाए तो उसे कड़ाही से निकाल लें। इसमें लगभग पांच मिनट का वक्त लगेगा। जब गोंद ठंडा हो जाए तो उसे ग्राइंडर में डालें। गोंद के साथ ग्राइंडर में खजूर का पाउडर, गुड़, इलायची पाउडर, दालचीनी पाउडर और खसखस डालें। अच्छी तरह से सब चीजों को साथ पीस लें। अब पाउडर के इस मिश्रण को बरतन में निकाल लें। उसी कड़ाही में आटा डालें और आटे को कुछ देर तक भूनें। थोड़ी देर बाद दो चम्मच घी कड़ाही में और डालें। धीमी आंच पर पांच से आठ मिनट तक आटे को कुछ देर भूनें। गोंद वाला मिश्रण भी कड़ाही में डालकर मिलाएं। कम–कम मात्रा में घी को आटे में डालते जाएं। जब आटा लड्डू बनाने लायक हो जाए तो गैस बंद कर दें। अपनी हथेलियों में घी लगाएं और तैयार मिश्रण से लड्डू बनाने शुरू कर दें। अगर मिश्रण थोड़ा सूखने लगे तो उसमें थोड़ा–सा घी और डाल दें। जब लड्डू ठंडे हो जाए तो उन्हें एयरटाइट कंटेनर में रख दें।

सौंठ-मेथी के लड्डू

कितने लड्डू : 15 **कुकिंग टाइम : 25 मिनट**

सामग्री :

घी– 60 ग्राम, आटा – 1 कप, मेथी–1 चम्मच

विधि

कड़ाही में घी गर्म करें और उसमें आटे को धीमी आंच पर अच्छी तरह से भून लें। आटे को अच्छी तरह से भूनने में लगभग आधे घंटे का वक्त लगता है। जब आटे का रंग सुनहरा हो जाए तो गैस बंद कर दें। भुने हुए आटे को एक प्लेट में डालकर फैला दें और आटे को ठंडा होने दें। अगर आटा ठंडा नहीं होगा, तो उसमें चीनी डालते ही उसका टेक्सचर बदलने लगेगा। एक दूसरे पैन में काली मिर्च, मेथी और सौंठ को सूखा भून लें और पीस लें। जब आटा पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो एक बरतन में आटा, काली मिर्च वाला पाउडर, सौंठ और चीनी डालें और हथेलियों की मदद से मिश्रण को अच्छी तरह से मिलाएं। अब थोड़ी–थोड़ी मात्रा में मिश्रण को हथेलियों के बीच में रखें और लड्डू का आकार दें। इच्छा हो तो उसे बादाम और पिस्ता से गार्निश भी कर लें। लड्डू को एयर टाइट डिब्बे में रखें और चार से छह सप्ताह तक इस्तेमाल में लाएं।

दलिया-अलसी के लड्डे

कितने लड्डू : 15 **कुकिंग टाइम 50 मिनट**

सामग्री

दलियाः 1/2 कप, आटाः 1/2 कप, अलसी के बीज – 3 चम्मच, घी –1/2 कप, कद्दूकस किया गुड़ः 3/4 कप, बारीक कटे मेवे : 1/4 कप, इलायची पाउडर– 1/4 चम्मच, दालचीनी पाउडरः 1/4 चम्मच

विधि : दलिया को धोकर चार से पांच घंटे के लिए पानी में भिगो दें। अलसी को धीमी आंच पर सूखा भून लें और ठंडा होने पर दरदरा पीस लें। आटे को नॉनस्टिक पैन में आठ से दस मिनट तक सूखा भून लें। दलिया को पानी से निकालकर पानी अच्छी तरह से निथार लें। पैन में दो चम्मच घी गर्म करें और दलिया को मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक भूनें। इसे एक–दूसरे बरतन में निकाल लें। अब दूसरे पैन में दो चम्मच घी गर्म करें और उसमें गुड़ डालें। जब गुड़ पिघल जाए तो गैस बंद कर दें। भुने हुए दलिया वाले बरतन में गुड़ के इस मिश्रण को डालें। उसमें आटा, अलसी पाउडर, मेवे, इलायची पाउडर और दालचीनी पाउडर डालें। चम्मच की मदद से मिश्रण को अच्छी तरह से मिलाएं और छोटे–छोटे आकार के लड्डू बना लें। ठंडा होने पर एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

मेवा लड्डू

कितने लड्डू : 20 **कुकिंग टाइम : 25 मिनट**

सामग्री

किशमिश : 3 चम्मच, घी– 1 चम्मच, गुठली निकला हुए खजूर – 1 चम्मच, पिस्ता 1/4 कप, काजू 1/4 कप, इलायची पाउडर 1/2 चम्मच, बादाम 1/4 कप

विधि : खजूर को ग्राइंडर में डालें और दरदरा होने तक पीस लें। पीसे हुए खजूर को बरतन में निकाल लें। अब काजू, पिस्ता और बादाम को ग्राइंडर में डालें और उन्हें भी दरदरा होने तक पीस लें। अब कड़ाही में एक चम्मच घी गर्म करें और उसमें किशमिश और काजू वाला पाउडर डालें। इसे मध्यम आंच पर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब खजूर वाले पेस्ट को कड़ाही में डालकर मिलाएं। इसके ऊपर इलायची पाउडर डालें और मध्यम आंच पर घी के अलग होने तक इस मिश्रण को पकाएं। मिश्रण के पकने के बाद गैस को बंद करें। इसके दो मिनट बाद मिश्रण से लड्डू बनाना शुरू कर दें। लड्डूओं के ठंडा होने पर उन्हें एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

मेवाड़ देव-दर्शन यात्रा

वसुंधरा का गर्मजोशी स्वागत

उदयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नवम्बर के अंतिम सप्ताह (23-25 नवम्बर) में मेवाड़ का त्रिदिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चार प्रसिद्ध मंदिरों सांवलिया सेठ (चित्तौड़गढ़), त्रिपुरा सुंदरी (बांसवाड़ा), श्री चारभुजा नाथ (राजसमंद) व श्री एकलिंगनाथ (उदयपुर) सहित अन्य धर्मस्थलों के दर्शन किए और भाजपा के दिवंगत विधायक-पूर्व विधायक व कार्यकर्ताओं के घर जाकर शोक-संवेदना व्यक्त की। उनके दौरे से मेवाड़ में सुस्त पड़ी भाजपा में नए उत्साह का संचार देखा गया। राजे की इस यात्रा को भाजपा की अंदरूनी सियासत में उनके जनाधार की ताकत को पार्टी आलाकमना को बताने से भी जोड़कर देखा गया। हाल ही संपन्न राज्य के दो उपचुनावों (वल्लभनगर व धरियावद) में पार्टी की करारी हार के बाद राजे के इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यात्रा के दौरान हर जगह उनका गर्मजोशी से स्वागत सत्कार हुआ।

Abhimanyu Jain
Mo.: 9772237255
7550177136

ABHI'S BUILD TECH

Abhi's Buildtech

Wholesale Distributor of Building Material

9, Mangalam Plaza, Behind Petrol Pump,
Hiran Magri, Sector -4, Udaipur 313001 (Raj.)
E-mail: abhimanyujain0298@gmail.com

रेती, गिट्टी, ईंटें, सरिया, सफेद सीमेंट, पुट्टी, टाईल्स एडेसिव के विक्रेता

Authorised Distributor of Wonder Sand

Lokesh Jain
Mo.: 9828061138

FRIENDS

FRIENDS SUPPLIERS Co.

42, Mox Marg, Shastri Circle,
Udaipur, 313 001 (Raj.)

Authorised Market Organizer

J.K. Cement Work's (Nimbahera)
J.K. White Cement Work's (Gotan)

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
8 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी	श्रीराम-जानकी विवाह/गुरु तेग बहादुर पुण्य दिवस
14 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	गीता जयंती
17 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी	श्री संभवनाथ जयंती
18 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा	श्री दत्तात्रेय जयंती
25 दिसम्बर	पौष कृष्णा षष्ठी	पं. मदन मोहन मालवीय जयंती/क्रिसमस डे
29 दिसम्बर	पौषण कृष्ण दशमी	श्री पार्श्वनाथ जयंती

मेष

साझेदारी से लाभ, यशस्वी कार्य का अवसर, भूमि, वाहन एवं परिवार से सुख, सुविचारित योजना से लाभ और आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। मासान्त में स्वास्थ्य संबंधी बाधाएं।

वृषभ

मित्रों से सहयोग, आय में कमी से मन खिन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन में अशांति और बेवजह तनाव महसूस करेंगे। विरोधियों का भय, भाग्य का पूर्ण सहयोग व संतान पक्ष से चिंता रहेगी।

मिथुन

ज्येष्ठजनों से लाभ, मान सम्मान में वृद्धि, स्वास्थ्य उत्तम, पारिवारिक हित के लिए प्रयासरत रहेंगे। दिमागी तौर पर किए जा रहे प्रयत्नों से उद्योग–धंधों में विशेषकर सफलता मिलेगी और हर्ष होगा। भौतिक सुख–साधनों पर अधिक खर्च होगा।

कर्क

यह माह आपको स्वास्थ्य संबंधी गड़बड़ी एवं व्यय की अधिकता देगा। परिश्रम और एकाग्रता पर ध्यान दें अन्यथा पश्चाताप करना पड़ेगा। विपरीत लिंगों के प्रति सतर्कता बरतें वरना बदनामी सहनी पड़ेगी। माता के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

सिंह

माह का उत्तरार्द्ध भाग्य में सफलता देगा, सुख की प्राप्ति होगी, नौकरी में तरक्की एवं उद्योग धंधों में लाभ मिलेगा एवं पारिवारिक झंझट तथा धन व्यय की आशंका बनी रहेगी। संतान पक्ष से भी चिंता के योग हैं। शत्रु पक्ष से छुटकारा एवं लाभ मिलेगा। पुराने रोग से निजात संभव है।

कन्या

घर–परिवार में रोग–बीमारी, मानसिक अवसाद, गृहस्थ जीवन में अशांति, नया निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा। व्यापार में यथाशक्ति धनोार्जन करने का प्रयास सफल होगा। माह का उत्तरार्द्ध खर्च की अधिकता देगा एवं कष्टदायक सिद्ध हो सकता है।

तुला

स्वास्थ्य मे ंसुधार, मानसिक शांति, पुण्य कार्यों में वृद्धि एवं संस्कारों का संस्थापन होगा। परिवार, स्त्री, संतान का सहयोग मिलेगा, वाहन सुख, आमोद–प्रमोद में लिप्त रहेंगे, उत्तरार्द्ध में मानसिक अस्थिरता, उद्वेग तथा शारिरीक कष्ट का योग बना है, आर्थिक उन्नति के भी योग हैं।

वृश्चिक

असमंजस के साथ उन्नति की ओर अग्रसर, बौद्धिक विकास से शिक्षा सामग्री वाले व्यवसायों को विशेष लाभ, तस्करी आदि कार्यों से अकस्मात हानि भी संभव और आर्थिक हानि का सामना करना पड़ेगा। शत्रु पक्ष पराजय का मुंह देखेंगे, विरोधी परास्त होंगे, स्वास्थ्य मध्यम रहे।

धनु

धनधान्य एवं संपत्ति में वृद्धि होगी, स्वभाव में चिड़चिड़ाहट, उद्विग्नता एवं कार्यों में व्यस्तता अधिक रहेगी, अचल संपत्ति में भी वृद्धि, स्वास्थ्य सुख में कमी, भोजन, शयन में असुविधा रहेगी, शत्रुओं पर विजय मिलेगी। भाई–बहिनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मकर

छोटे–मोटे विवाद एवं तनाव के कारण महत्वपूर्ण लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है, कार्य सिद्धी में विलम्ब, व्यापार कार्य में गतिशीलता न होने से मानसिक अवसाद परंतु चलता रहेगा। दौड़–धूप की अधिकता, यात्रा के योग बनेंगे, परिवार मे ंसुखशांति। ऋण लेन–देन में सावधानी रखें।

कुम्भ

माह के पूर्वार्द्ध में संतान पक्ष से चिंता। स्वास्थ्य में सुधार, मातृ एवं पितृ पक्ष से चिंता रहेगी। स्थिर एवं सुगठित कार्य योजना फलदायी रहेगी। माह का उत्तरार्द्ध विशेष सफलता दिलाएगा। आय पक्ष सुदृढ रहेगा, भाग्य का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। योजनाओं में निखार आएगा।

मीन

गत माह की अपेक्षा यह माह लाभप्रद रहेगा तथा शांति मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में कठोर परिश्रम एवं संघर्ष करना होगा। यदा–कदा स्वास्थ्य में विकार, भौतिक सुखों में व भाग्य में अभिवृद्धि, कुटुम्ब में असंतोष एवं विद्रोह की भी संभावना।

मेहता को पंडित नागर मेमोरियल अवार्ड

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा, नवाचार एवं युवाओं को रोजगार के अवसर के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए नर्मदा बाल घर मोरवी (गुजरात) के संस्थापक भरत भाई मेहता को मनीषी पंडित जनार्दन राय नागर मेमोरियल अलंकरण अवार्ड प्रदान किया गया। उन्हें कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जानी, कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच, प्रो. सुमन पामेचा, प्रो. मंजू माण्डोत, प्रो. गजेन्द्र माथुर ने सम्मानित किया। इसके तहत मेहता को 51 हजार रुपए की नकद राशि, रजत एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उक्त राशि मेहता ने राजस्थान विद्यापीठ के रिसर्च एण्ड डवलपमेंट डिपार्टमेंट को भेंट कर दी। मेहता ने कहा कि इनोवेशन व टेक्नोनॉजी ही अगली पीढ़ी के लिए पहचान बनाने का सशक्त जरिया है। तकनीक के इस तेजी से बदलते युग में हमें इनोवेशन प्रक्रिया के लिए लचीला, प्रतिस्पर्धी बनने की जरूरत है। कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जानी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि मेवाड़ ने राष्ट्र को ऐसे शिक्षक दिए, जिन्होंने भारतीय जन मानस में आजादी की अलख जगाई। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने कहा कि रोजगार प्रदान करने वाली शिक्षा ही आज की महत्ती आवश्यकता है। इनोवेशन के लिए चार स्टेप जरूरी है। इनमें ज्ञान, जिज्ञासा और रचनात्मकता और कुछ करने की दिशा में आगे बढ़ना है। संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने किया।

सनाढ्य सरिता का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मण्डल एवं समग्र सनाढ्य सेवा समिति के तत्वावधान में गत दिनों शपथ ग्रहण एवं सनाढ्य सरिता विमोचन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चन्द्र तिवारी डॉ. मुकेश कटारा थे। अध्यक्षता अम्बालाल सनाढ्य ने की। विशिष्ट अतिथि विनोद सनाढ्य, डॉ. अनिल शर्मा एवं जनार्दन सनाढ्य थे। कार्यक्रम में नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। साथ ही सनाढ्य समाज की पत्रिका 'सनाढ्य सरिता' के दीपावली अंक का विमोचन किया गया। संचालन राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य ने किया।

श्री रत्न मोहता सम्मानित

उदयपुर। जिला एवं नगर माहेश्वरी सभा की ओर से गत दिनों आयोजित सम्मान समारोह में समाजसेवी श्री रत्न मोहता को जन्मतिथि क्रमांक नोटों के संग्रह में गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड द्वारा सम्मानित होने व सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी एवं विशिष्ट अतिथि गोपाल काबरा, सभा के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण माहेश्वरी, आईएमए उदयपुर शाखा के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता, सचिव पुरुषोत्तम मंडावरा, नगर सभा के अध्यक्ष रामनारायण कोठारी, सचिव बृजगोपाल माहेश्वरी थे।

औद्योगिक क्षेत्र समस्या समाधान की मांग

उदयपुर। उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने प्रभारी मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास को ज्ञापन देकर समस्या समाधान की मांग की। अध्यक्ष पंकज कुमार गंगावत ने बताया कि सुखेर मार्बल औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार एवं उद्योगों को चलाने में आ रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। इस दौरान भूपेन्द्रसिंह राव उपाध्यक्ष, राजेन्द्र कुमार मोर, सचिव रमेश जैन, सहसचिव दुर्गा शंकर प्रजापत, भगवतीलाल जैन, कैलाश मेहता, मानसिंह राव, अजय खथुरिया मौजूद थे।

डॉ. पाईवाल को क्लिनिकल एक्सपर्ट अवार्ड

उदयपुर। शहर के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट और स्पाइन स्पेशलिस्ट डॉ. गौरव पाईवाल को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी मैग्जीन फिजियो टाइम्स द्वारा क्लिनिकल एक्सपर्ट अवार्ड से नवाजा गया। ये अवार्ड डॉ. पाईवाल को उनके 14 वर्षों के रीढ़ की हड्डी और जोड़ों के दर्द के काम के लिए दिया गया है। कई देशों के फिजियोथैरेपी विशेषज्ञों में से जूरी ने सात कैटेगरी में 14 फिजियोथैरेपी डॉक्टर की सेवाओं को देखकर यह अवार्ड दिया।

मानसी फर्निशिंग एण्ड डेकोर का शुभारंभ

उदयपुर। मानसी फर्निशिंग एवं डेकोर का शुभारंभ शुभम फर्नीचर के एमडी डीएस पानेरी ने किया। संचालक डॉ. ऋषिका ने बताया कि शोरूम पर ग्राहकों को बहुत ही उचित दाम पर पर्दे, बेडशीट कारपेट, डोरमेट, सोफा क्लॉथ आदि उपलब्ध होंगे।

विज्ञान चालीसा का विमोचन

उदयपुर। शिल्पकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने विज्ञान दिवस पर सूक्ष्म विज्ञान चालीसा बनाई। जिसका विमोचन आकाशवाणी के कार्यक्रम निदेशक महेन्द्रसिंह लालस ने किया। चित्तौड़ा ने बताया कि चालीसा में प्रमुख वैज्ञानिकों का परिचय एवं विज्ञान को उनकी देन को शामिल किया गया है। विज्ञान के प्रमुख आविष्कार एवं नवाचारों का भी इसमें समावेश है।

पद्मश्री पालीवाल का स्वागत

मावली। पद्मश्री से सम्मानित श्यामसुंदर पालीवाल का डबोक एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व प्रधान सुशील कुमार ओस्तवाल, डबोक मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह चुंडावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष निर्मल कुमार लोढ़ा, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश पालीवाल, डबोक पूर्व सरपंच शंकरलाल पालीवाल, भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यालय मंत्री प्रवीण वैष्णव आदि ने पालीवाल को स्मृति चिह्न भेंटकर और माला पहनाकर स्वागत किया।

टी-टेन्ट्रम गो-ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में हर्बल एवं वेलनेस टी जैसे उत्पादों को पेश करने वाली स्टार्टअप कम्पनी टी-टेन्ट्रम प्राइवेट लिमिटेड को इंटरनेशनल ट्रेड काउंसिल वाशिंगटन डीसी (यूएसए) की ओर से गो-ग्लोबल अवार्ड-2021 से सम्मानित किया गया। कम्पनी के प्रबंध निदेशक डॉ. दिनेश खत्री को अवार्ड ऑनलाइन प्रदान किया गया। टी-टेन्ट्रम को फूड एवं पेय पदार्थों की श्रृंखला में उत्पादों की गुणवत्ता, नवीनता, प्रमाणिकता के आधार पर फ्रंट रनर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भविष्य का मार्गदर्शक इतिहास : गुप्ता

उदयपुर। प्रमुख इतिहासविद् एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. के.एस. गुप्ता ने कहा कि इतिहास वर्तमान का ही नहीं भविष्य का भी मार्गदर्शक है। वे गत दिनों कस्तूर बा मातृ मंदिर सभागार में डॉ. अंजना गुर्जरगौड़ के शोध प्रबंध 'मेवाड़ के इतिहास में गैर राजपूतों की भूमिका' का मुख्य अतिथि के रूप में विमोचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ द्वारा दी गई आहूतियों ने देश में नई ऊर्जा पैदा करने का काम किया। मुख्य वक्ता इतिहासविद् राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के इतिहास एवं संस्कृति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश भाटी ने कहा कि प्रस्तुत शोध प्रबंध में उन गैर राजपूत वर्गों के मेवाड़ की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा में बड़े योगदान को उजागर किया गया है, जिन्हें तत्कालीन इतिहासकारों ने कुछ ही पंक्तियों में समेट दिया था। विमोचन समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी तेजसिंह बांसी ने की। वरिष् ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, साहित्यकार डॉ. जयप्रकाश भाटी, कला मनीषी डॉ. एल.एल. वर्मा, डॉ. मनीष जैन ने भी पुस्तक के संबंध में विचार व्यक्त किए। आरंभ में लेखिका डॉ. अंजना गुर्जरगौड ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि मेवाड़ की विरोचित परम्पराओं के साथ शोध प्रबंध में गैर राजपूतों के योगदान को रेखांकित करने का श्रमपूर्वक प्रयास किया गया है। लेखिका ने पुस्तिका अपनी माताश्री को समर्पित की है। धन्यवाद ज्ञापन शोध प्रबंध के प्रकाशक हरीश आर्य ने किया।

राजानी अध्यक्ष, खत्री महासचिव नियुक्त

उदयपुर। सिंधी सेंट्रल युवा सेवा समिति की समाज अध्यक्ष प्रतापराय चुघ, हरीश राजानी, किशोर झांबानी, सुनिल खत्री, विजय आहुजा व सेंट्रल समिति के युवा समितियों के पदाधिकारियों के सानिध्य में संपन्न हुई बैठक में सर्वसम्मति से नए अध्यक्ष गिरीश राजानी व महासचिव भारत खत्री की घोषणा की गई। इस अवसर पर प्रकाश चंदानी, राजेश खत्री, सुनिल कालरा, जितेन्द्र बॉस, विक्की राजपाल, विपिन कालरा, अभिषेक कालरा, पवन कालरा, अमन असनानी, नितिन नाचानी, शैलेश कटारिया, चन्द्रप्रकाश मंगवानी, दीपेश हेमनानी, मनोज बुलानी, कटारिया, नलू रंगुनी, गौरव हासिजा, विवेक कालरा, दिलीप छतवानी, संजय छाबड़िया आदि मौजूद थे।

पर्यटन उपनिदेशक शिखा सम्मानित

उदयपुर। राजय सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्रीय पर्यटन विभाग उदयपुर की उपनिदेशक शिखा सक्सेना को सम्मानित किया गया है। शिखा को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने दिया। इस मौके पर पर्यटन निदेशक निशांत जैन मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उदयपुर संभाग में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार एवं साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व पर्यटन दिवस पर उनके सम्मान की घोषणा की गई थी।

अशफाक अध्यक्ष, शशिकांत मंत्री

उदयपुर। धानमण्डी स्कूल में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) नगर अ के चुनाव में अशफाक कुरैशी अध्यक्ष, शशिकांत शाह मंत्री, नरेश डांगी, महेन्द्र सेन, सुरेन्द्र चौधरी, राजकमल लौहार, महेन्द्र शर्मा, शंभूसिंह आसोलिया सदस्य चुने गए।

पलकांश को पीएचडी

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विवि की ओर से पलकांश राव को 'जनजातीय एवं गैर जनजातीय किशोरों में मानसिक वृत्ति एवं मनोवैज्ञानिक पूंजी विषय पर शोध करने के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने प्रो. कल्पना के निर्देशन में शोधकार्य पूर्ण किया।

हरिसिंह राव अध्यक्ष, मनोहरसिंह महामंत्री

हरिसिंह राव

मनोहरसिंह

उदयपुर। राजस्थान राव वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी के चुनाव बडंगाव में हुए। इसमें खाम की मादड़ी के हरिसिंह राव अध्यक्ष, सजजनसिंह बोयणा, उपाध्यक्ष मनोहरसिंह गुगली महामंत्री, राव रतनसिंह कोषाध्यक्ष, भूपेन्द्रसिंह राव संगठन मंत्री निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी गुलाबसिंह राव, कल्याणसिंह राव, राजेन्द्रसिंह महुड़ा, संपत्तसिंह, किशनसिंह राजावत, नरपतसिंह, भूपालसिंह राणा आदि उपस्थित थे।

सनाढ्य मुख्य सम्पादक मनोनीत

उदयपुर। राजेन्द्र सनाढ्य को लॉयंस क्लबस् इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई-2 की प्रांतीय केबिनेट में डीजी न्यूजलेटर का मुख्य सम्पादक मनोनीत किया गया है। कार्यवाहक डिस्ट्रीक गर्वनर लॉयन संजय भंडारी ने उन्हें मनोनीत करते हुए कहा कि आपके अनुभवों से श्रेष्ठ सेवा कार्यों में मदद मिलेगी और प्रांत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बना सकेगा।

डॉ. पानेरी को काव्य सारथी सम्मान

उदयपुर। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा डॉ. ममता पानेरी को काव्य सारथी सम्मान से नवाजा गया। यह पुरस्कार उन्हें 31 अगस्त 2021 से 14 सितम्बर हिंदी दिवस तक 363 घंटे निरंतर रात-दिन ऑनलाइन चले मां भारती कविता महायज्ञ विश्व कीर्तिमान में योगदान हेतु प्रदान किया गया। डॉ. पानेरी वर्तमान में राजस्थान विद्यापीठ के श्रमजीवी महाविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

अल्पसंख्यक मामलों के लिए गैर सरकारी सदस्य मनोनीत

उदयपुर। अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर की ओर से प्रधानमंत्री के नवीन 15 सूत्रीय कार्यक्रम में गैर सरकारी सदस्य के रूप में जिला उदयपुर के लिए अशरफ जिलानी, सद्दाम हुसैन एवं मनप्रीत खनूजा का एवं स्वयत्तशासी जिला परिषदों/पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में अब्दुल रहमान मकरानी, सदस्य पंचायत समिति नयागांव, मोहम्मद शादाब हुसैन, पार्षद नगर निगम उदयपुर एवं अब्दुल रउफ खान, उपाध्यक्ष नगर पालिका सलूम्बर का मनोनयन किया गया है।

प्रदेश में 101 नए कोच

उदयपुर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने ग्रामीण ओलिपिंक के लिए प्रदेशभर में 101 अल्पकालीन नए कोच नियुक्त किए है। इसके तहत उदयपुर में भी 8 नए कोच लगाए गए हैं। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने बताया कि एनआईएस किए हुए इंटरनेशनल बॉक्सर झलक तोमर, वेट लिफ्टर धापू लोहार, पहलवान हेमंत अटवाल, एथलीट प्रवीणसिंह, कयाकिंग और केनोइंग कोच निश्चय सिंह चौहान, बास्केटबॉल उषा अचरच, निशानेबाजी में आकांक्षा कानावत, कबड्डी के लिए कपिल जैन को नियुक्त किया गया। इनके साथ शकील हुसैन हॉकी, महेश पालीवाल, तैराकी, अर्जुनसिंह जिम्नास्टिक, सुनीता भंडारी बैंडमिंटन, दिलीप भंडारी क्रिकेट, हिमांशु राजोरा जूडो, नरपतसिंह चौहान बॉक्सिंग के साथ 8 नए कोच युवाओं को खेलों का प्रशिक्षण देंगे।

डॉ. राजपुरोहित कॉर्डिनेटर नियुक्त

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग में पांच कॉर्डिनेटर्स की नियुक्ति की गई है। इनमें उदयपुर के डॉ. संजीव राजपुरोहित को भी शामिल किया गया है।

डिजिटल क्लासरूम बनेंगे

उदयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग उदयपुरएवं स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन के मध्यम पिछले दिनों एक एमओयू हुआ। जिसके अंतर्गत आगामी तीन वर्षों के दौरान टीएडी द्वारा स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर चयनित मां-बाड़ी केन्द्रों में डिजिटल कक्षा-कक्ष विकसित किए जाएंगे। टीएडी आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि मां बाड़ी केन्द्रों के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा शिक्षण में सुधार एवं उक्त केन्द्रों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में मदद मिलेगी। आरंभिक चरण में उदयपुर जिले के चयनित 10 मां-बाडी केन्द्रों में डिजिटल क्लासरूम विकसित किए जाएंगे।

बड़ोला हुंडई पर आगंतुकों का स्वागत

उदयपुर। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड की अधिकारिक यात्रा पर बड़ोला हुंडई शोभागपुरा पर मेवाड़ की अतिथि देवो भव तर्ज पर आगुंतकों का राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत किया गया। जोन मैनेजर रमन भाटिया ने हुंडई कारों की बढ़ती लोकप्रियता का श्रेय ग्राहकों एवं बिक्री पश्चात सेवा को दिया। इस मौके पर निदेशक नक्षत्र, दिलीप तलेसरा, डायरेक्टर विवेक, रोहित बड़ोला एवं समस्त सेल्स टीम उपस्थित रही

शोध

दृष्टिहीन देख सकेंगे दुनिया

स्पेनिश वैज्ञानिकों ने दृष्टिहीन लोगों के लिए नई तकनीक खोजी है। इसके जरिये मरीज के मस्तिष्क में खास तरह की चिप लगाई जाती है, जिससे दृष्टिहीन मरीज देखने लगता है। वैज्ञानिक इस तकनीक के जरिए दिमाग के विजुअल कॉर्टेक्स को सक्रिय कर देते हैं, जिससे मस्तिष्क के सामने दिखने वाली चीज की स्पष्ट तौर पर तस्वीर बनने लगती है। इस तस्वीर को देखने के लिए स्पेन के वैज्ञानिकों ने एक चश्मा बनाया, जिसके बीच में आर्टिफिशियल रेटिना लगा है। यह रेटिना दिमाग में लगी चीप से जुड़ा होता है। जैसे ही रोशनी इस रेटिना पर पड़ती है वह इलेक्ट्रिक्ल सिग्नल चिप को भेजती है। यह चिप उस रोशनी का एनालिसिस करके दिमाग के विजुअल कॉर्टेक्स में रेटिना के सामने दिख रही चीजों की तस्वीर बना देता है।

न्यूरॉन्स को सक्रिय करता

द जर्नल ऑफ क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया है कि इस तकनीक की मदद से हम दिमाग में उन न्यूरॉन्स को सक्रिय कर देते हैं, जिनसे दिमाग में आर्टिफिशियल रेटिना के सामने दिख रही चीजों की बाहरी आकृति दिखने लगती है।

महिला को मिली रोशनी

शोधकर्ताओं ने इस चश्मे और चिप का परीक्षण 57 वर्षीय महिला पर किया, जो 16 साल से कुछ नहीं देख पा रही थी। चिप लगने के बाद जैसे ही महिला ने आर्टिफिशियल रेटिना वाले चश्में को आंखोंपर लगाया, उनके सामने दिखने वाली चीजों की इमेज उनके दिमाग में बनने लगी।

उदयपुरः शोक समाचार

श्री ललित जी मेहता (एल.के. प्लास्टिक्स) का 28 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता-पिता श्रीमती कंचन देवी-सज्जनसिंह जी मेहता, पत्नी सारिका देवी, पुत्र कुशाग्र मेहता, पुत्री आरोही दिवान तथा संपन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती सुशीला देवी जी सुराणा धर्मपत्नी श्री धनपत चंद जी सुराणा का 31 अक्टूबर का देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति, पुत्र मनीष व सोनू सुराणा, पुत्री हेमा हिंगड़ व मंजू कोचर तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती अनिल कुमार जी जैन (पीपाड़ा) का असामयिक निधन 4 नवम्बर को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त माता-पिता श्रीमती प्रमिला देवी जी-सज्जनसिंह जी, पत्नी प्रीता देवी, पुत्री कृति व पुत्र विराट सहित भाई-भतीजों का समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

पूर्व मंत्री श्री हनुमान प्रसाद के पौत्र एवं स्व. डॉ. अरुण प्रभाकर के पुत्र श्री सोनल प्रभाकर का 4 नवम्बर को असामयिक निधन हो गया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, लालसिंह झाला, गोपाल कृष्ण शर्मा सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया।

श्री भजनलाल जी पंजाबी (बल्लूभाई) का 6 नवम्बर का आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे विरह में व्यथित धर्मपत्नी श्रीमती सुलोचना देवी पुत्र रोहित, पुत्री अंजू चंदानी, सहित भाई-भतीजों, पौत्र, दोहित्री का भरपूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री भंवरलाल जी अग्रवाल (एके फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर्स) का 25 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकमग्न पुत्र अशोक अग्रवाल, पुत्री डॉ. रंजना व वीना गेलड़ा सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

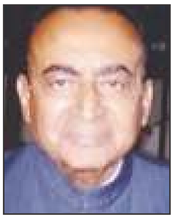

श्री राकेश जी पानेरी सुपुत्र कुबेरकांत जी पानेरी का 27 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित ह्रदय पत्नी श्रीमती स्नेहलता, पुत्र केशव व पुनीत, भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

श्री राजमलजी जैन खमेरावाला (राजश्री प्रोडक्ट) का 10 नवम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित ह्रदय पुत्र महेन्द्र व भारत भूषण जैन, पुत्रियां उषा देवी, सुनंदा देवी मेहता, वीरबाला देवी, चन्द्रबाला देवी सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र व दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

पत्रकारिता और साहित्य सृजन के क्षेत्र में महती भूमिका का निर्वहन करने वाले वरिष्ठ पत्रकार श्री उदयसिंह जी झोटा (87) का 22 अक्टूबर को निधन हो गया। उन्होंने करीब 75 वर्ष पूर्व उदयपुर से साप्ताहिक 'हमारा हिन्दुस्तान' समाचार पत्र का प्रकाशन आरंभ किया था। मोहनलाल सुखाड़िया से लेकर डॉ. गिरिजा व्यास तक के सम्पर्क में रहकर उन्होंने अपने पत्र को सरकार व समाज के बीच सेतु का रूप दिया। इस समय 'हमारा हिन्दुस्तान' का प्रकाशन-सम्पादन उनके ज्येष्ठ पुत्र कमल झोटा राजसमंद से कर रहे हैं।

श्रीमती रतनदेवी शर्मा का 15 नवम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्रवधु दाखी बाई, मंजू देवी, पुत्र गणेशलाल व ओमप्रकाश शर्मा, पुत्री लीलादेवी औदिच्य (धर्मपत्नी डॉ. शोभालाल औदिच्य) सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

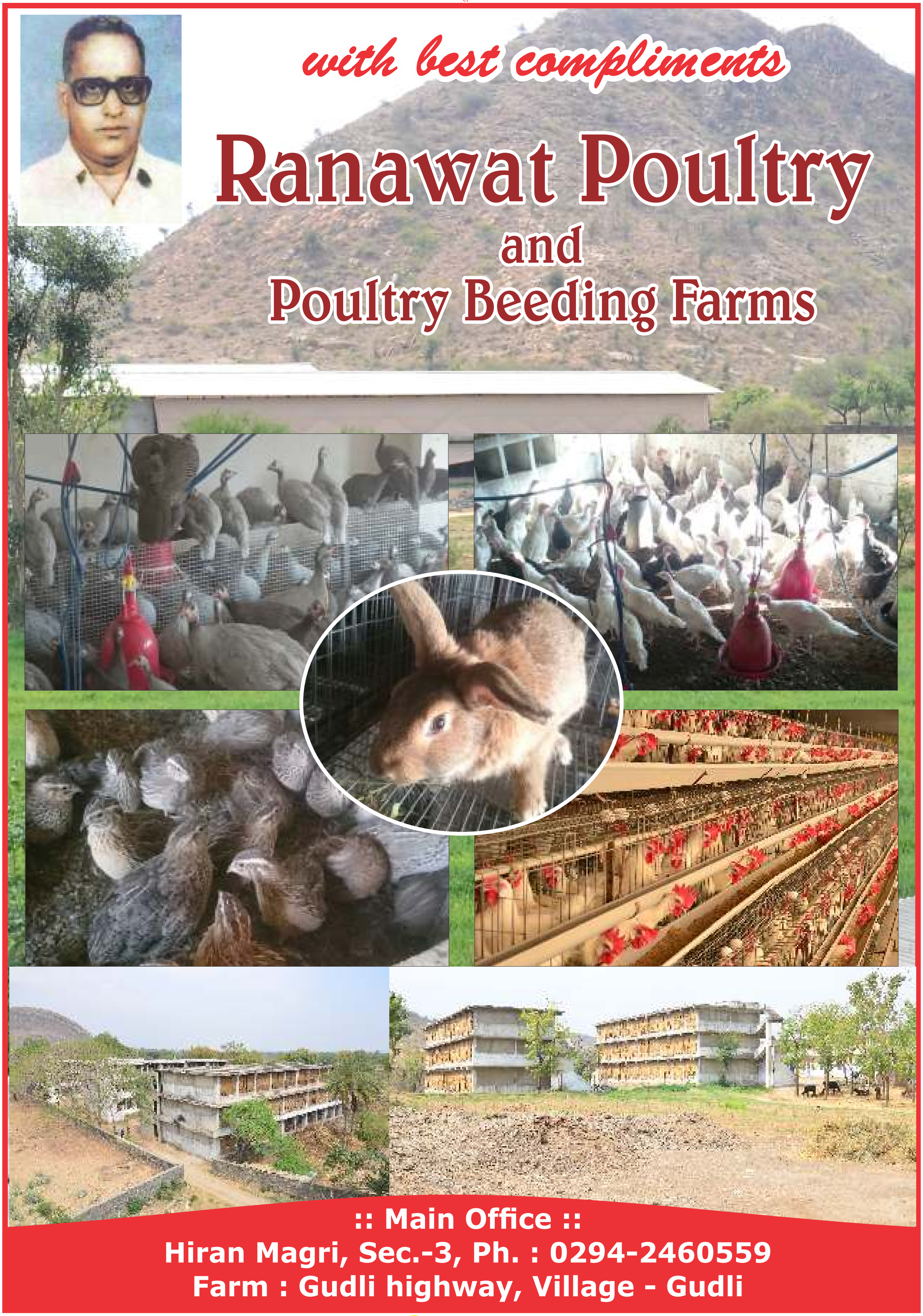
with best compliments
Ranawat Poultry
and
Poultry Beeding Farms
:: Main Office ::
Hiran Magri, Sec.-3, Ph. : 0294-2460559
Farm : Gudli highway, Village - Gudli

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

भीण्डर मेसनरी स्टोन माईन्स एण्ड क्रेशर समिति

कार्यालय : सूरजपोल बस स्टेण्ड, भीण्डर, जिला-उदयपुर (राज.) 313603

श्रीनाथ क्रशिंग प्लॉट - 9829798667

स्वास्तिक क्रशिंग प्लॉट - 9414234471

कमल क्रशिंग प्लॉट - 9602566380

सुख भगवान क्रशिंग प्लॉट - 9694582176

सिद्धार्थ क्रशिंग प्लॉट - 9982865582

मुकेश क्रशिंग प्लॉट - 9829768441

E-mail : bhindercrusherassociation@gmail.com

मांगीलाल साहू

Mobile : 9829798667

CHIRAG

CONSTRUCTIONS

"AA Class" Civil & Road Contractor

Out Side Girver Pole Bhinder, Distt. Udaipur (Raj.)

Ph. : 02957-220079, 02957-220442

CHUNDA
PALACE

MAJESTIC INVITING TRANQUIL
JOYFUL MAGICAL POETIC
SUBLIME ETERNAL INSPIRING

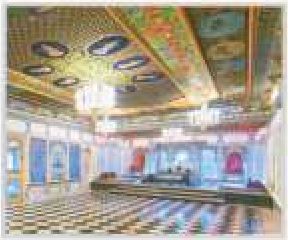

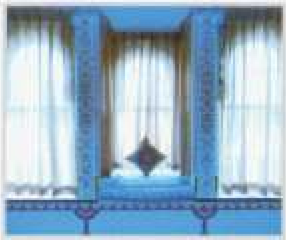

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas ji Ki Magri, Main Road,
Udaipur 313001, Rajasthan, India

Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492
Facsimile: +91-294-2430889

E-mail: info@chundapalace.com
Website: www.chundapalace.com

Rajasthan State Mines and Minerals Limited

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

CIN U14109RJ1949SGC000505
GSTIN 08AAACR7857H1Z0

Mining Prosperity from Beneath the Surface

OUR PRODUCTS

Rock Phosphate

- + 30% P_2O_5 Crushed Chips (-12mm size)
- + 31.5% P_2O_5 Crushed Chips (-12mm size)
- + 31.54% P_2O_5 Beneficiated Concentrate (200 mesh size)
- + 18% P_2O_5 Powder (RAJPHOS) An Organic Direct Application Fertilizer

Lignite

- Lignite with calorific value of 2800-3200 Kcal/Kg.
- GOI has allotted Lignite blocks having reserve of more than 400 million tons

Gypsum

- Run Of Mine (ROM) Gypsum-used in Cement industries and land reclamation
- Run of Mine (ROM) Selenite- used for manufacture of Plaster of Paris & Ceramics

Limestone

- +95% $CaCO_3$ Low Silica<1.5%, Steel Melting Shop (SMS) grade Limestone

Power

- 106.3 MW capacity Wind Energy Project in operation, with generating capacity of 1650 Lac KWH (units) grid quality clean power per year.
- Projects registered under CDM, UNFCCC (Kyoto Protocol) for CERs earnings.
- 5 MW Solar project also in operation at Gajner, Bikaner

Industrial Beneficiation Plant, Jhamar Kotra

Panoramic View of Giral Lignite Mines, Barmer

Ariel View of Solar Plant at Bikaner

Limestone Crushing Plant at Sanu Mines, Jaisalmer

Wind Energy Farm at Bada Bagh, Jaisalmer

OUR STRENGTHS

- Consolidating leadership in Fertilizer, Steel, Cement, and Power Sector.
- One of the Biggest Revenue Contributing PSU to state exchequer.
- Only Producer of SMS grade Limestone & largest producer of natural Gypsum & High Grade Rock Phosphate in the country.
- Achieved unprecedented growth in Productivity, Turnover, Revenue and Commanding Share in Industrial Mineral Sector of India.
- Established rare distinction of being the first PSU in India to earn foreign exchange by successfully trading Carbon Credit in International Market.
- Taking care for society under CSR. Contribution for Health & Medical, Education, Water Supply, Infrastructure and Community Development, Environment Protection and Plantation in Project Districts.

OUR PROJECTS

Petroleum & Natural Gas

- Wholly owned subsidiary company formed in the name of Rajasthan State Petroleum Corporation Limited for carrying out activities in Petroleum & Natural Gas Sector in Rajasthan.
- A joint venture Company in the name of Rajasthan State Gas Limited with joint venture partner GAIL Gas Ltd has been incorporated for developing City Gas Distribution network in Rajasthan.

Venture to mine out Lignite & Sand

- A joint venture company M/s Barmer Lignite Mining Company Limited has been incorporated with joint venture partner Rajwest Power Limited wherein RSMML hold 51% equity.
- A newly formed strategic business unit has been established to explore business opportunities in sand.

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735

Visit us at www. rsmm. com